वर्ष 23, अंक 237, पृष्ठ 08, मूल्यः 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 21 सितम्बर 2024 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

महाराष्ट्र के वर्धा में राष्ट्रीय 'पीएम विश्वकर्मा' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

महाराष्ट्र

दो दिन पहले ही हम सबने विश्वकर्मा पूजा का उत्सव मनाया है। और आज, वर्धा की पवित्र धरती पर हम पीएम विश्वकर्मा योजना की सफलता का उत्सव मना रहे हैं। आज ये दिन इसलिए भी खास है, क्योंकि 1932 में आज ही के दिन महात्मा गांधी जी ने अस्पृश्यता के खिलाफ अभियान शुरू किया था। ऐसे में विश्वकर्मा योजना के एक साल पूर्ण होने का ये उत्सव,विनोबा भावे जी की ये साधना स्थली, महात्मा गांधी जी की कर्मभूमि, वर्धा की ये धरती, ये उपलब्धि और प्रेरणा का ऐसा संगम है, जो विकसित भारत के हमारे संकल्पों को नई ऊर्जा देगा। विश्वकर्मा योजना के जरिए हमने श्रम से समृद्धि, इसका कौशल से बेहतर कल का जो संकल्प लिया है, वर्धा में बापू की प्रेरणाएँ हमारे उन संकल्पों को सिद्धि तक ले जाने का माध्यम बनेंगी। मैं इस योजना से जुड़े सभी लोगों, देश भर के सभी लाभार्थियों को इस अवसर पर बधाई देता हूं।

आज अमरावती में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला भी रखी गई है। आज का भारत अपनी टेक्सटाइल इंडस्ट्री को वैश्विक बाजार में टॉप पर ले जाने के लिए काम कर रहा है। देश का लक्ष्य है- भारत की टेक्सटाइल सेक्टर के हजारों वर्ष पुराने गौरव को पुनर्स्थापित करना। अमरावती का पीएम मित्र पार्क इसी दिशा में एक और बड़ा कदम है। मैं इस उपलब्धि के लिए भी आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूँ।

हमने विश्वकर्मा योजना की पहली वर्षगांठ के लिए महाराष्ट्र को चुना, हमने वर्धा की इस पवित्र धरती को चुना, क्योंकि विश्वकर्मा योजना केवल सरकारी प्रोग्राम भर नहीं है। ये योजना भारत के हजारों वर्ष पुराने कौशल को विकसित भारत के लिए इस्तेमाल करने का एक रोडमैप है। आप याद करिए, हमें इतिहास में भारत की समृद्धि के कितने ही गौरवशाली अध्याय देखने को मिलते हैं। इस समृद्धि का बड़ा आधार क्या था? उसका आधार था, हमारा पारंपरिक कौशल! उस समय का हमारा शिल्प, हमारी इंजीनियरिंग, हमारा विज्ञान! हम दुनिया के सबसे बड़े वस्त्र निमार्ता थे। हमारा धातु-विज्ञान, हमारी मेटलर्जी भी विश्व में बेजोड़ थी। उस समय के बने मिट्टी के बर्तनों से लेकर भवनों की डिजाइन का कोई मुकाबला नहीं था। इस ज्ञान-विज्ञान को कौन घर-घर पहुंचाता था? सुतार, लोहार, सोनार, कुम्हार, मूर्तिकार, चर्मकार, बढ़ई-मिस्त्री ऐसे अनेक पेशे, ये भारत

की समृद्धि की बुनियाद हुआ करते थे। इसीलिए, गुलामी के समय में अंग्रेजों ने इस स्वदेशी हुनर को समाप्त करने के लिए भी अनेकों साजिशें की। इसलिए ही वर्धा की इसी धरती से गांधी जी ने ग्रामीण उद्योग को बढ़ावा दिया था।

ये देश का दुर्भाग्य रहा कि आजादी के बाद की सरकारों ने इस हुनर को वो सम्मान नहीं दिया, जो दिया जाना चाहिए था।

उन सरकारों ने विश्वकर्मा समाज की लगातार उपेक्षा की। जैसे-जैसे हम शिल्प और कौशल का सम्मान करना भूलते गए, भारत प्रगति और आधुनिकता की दौड़ में भी पिछड़ता चला गया।

महाराष्ट्र में जो अपार औद्योगिक संभावनाएं

महाराष्ट्र में जो अपार औद्योगिक संभावनाएं हैं, उनमें टेक्सटाइल इंडस्ट्री भी एक है। विदर्भ का ये इलाका, ये हाई क्वालिटी कपास के उत्पादन का इतना बड़ा केंद्र रहा है। लेकिन, दशकों तक काँग्रेस और बाद में महा-अघाड़ी सरकार ने क्या किया? उन्होंने कपास को महाराष्ट्र के किसानों की ताकत बनाने की जगह उन किसानों को बदहाली में धकेल दिया। ये लोग केवल किसानों के नाम पर राजनीति और भ्रष्टाचार करते रहे। समस्या का समाधान देने के लिए काम तब तेजी से आगे बढ़ा, जब 2014 में देवेन्द्र फडणवीस जी की सरकार बनी थी।

तब अमरावती के नांदगाव खंडेश्वर में टेक्सटाईल पार्क का निर्माण हुआ था। आप याद करिए, तब उस जगह के क्या हाल थे? कोई उद्योग वहाँ आने को तैयार नहीं होता था। लेकिन, अब वही इलाका महाराष्ट्र के लिए बड़ा औद्योगिक केंद्र बनता जा रहा है।

घुसपैठिये कांग्रेस और खटट के वोटबैंक

एक-एक को चुन-चुनकर बाहर निकालेंगे

झारखंड

भाजपा नेता ने आगे कहा कि किसानों की आय बढ़ाने वाले नरेन्द्र मोदी जी की समर्थन करने वाली सरकार यहां लानी है। मेरे आदिवासी युवा भाई-बहन यहां से देशभर में रोजगार के लिए जाते हैं। इसकी जगह यहां संथाल परगना में रोजगार लाने वाली सरकार यहां लानी है।

झारखंड चुनाव को लेकर भाजपा अपनी पूरी ताकत लगा रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने आज झारखंड के साहिबगंज में परिवर्तन सभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि आज यहां से झारखंड के 2024 के चुनाव के लिए भाजपा की परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। ये परिवर्तन यात्रा आने वाले दिनों में गांव-गांव में जाएगी, घर-घर तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि परिवर्तन केवल मुख्यमंत्री का नहीं करना है, परिवर्तन केवलखटट और कांग्रेस की जगह भाजपा की सरकार लाने का नही करना है। परिवर्तन इस भ्रष्टाचारी सरकार को हटाकर यहां

भ्रष्टाचार रोकने वाली सरकार लाने का। परिवर्तन, आदिवासियों की बच्चियों और उनके संस्कार को घुसपैठियों के हाथ तबाह करने वाली सरकार को हटाकर करना है।

भाजपा नेता ने आगे कहा कि किसानों की आय बढ़ाने वाले नरेन्द्र मोदी जी की समर्थन करने वाली सरकार यहां लानी है। मेरे आदिवासी युवा भाई-बहन यहां से देशभर में रोजगार के लिए जाते हैं। इसकी जगह यहां संथाल परगना में रोजगार लाने वाली सरकार यहां लानी है। हम सिर्फ मुख्यमंत्री बदलना नहीं चाहते, हम झारखंड को बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की रचना भाजपा के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने की। लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार ने जन-कल्याण की जगह घुसपैठिया कल्याण अपनाया है। आज पाकुड़ जिले में 'हिंदुओं और आदिवासी झारखंड छोड़ो' जैसे नारे लगते हैं।

उन्होंने दावा किया कि आदिवासियों की इस भूमि को केवल और केवल नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा बचा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि घुसपैठिए लालू यादव, खटट और राहुल बाबा की कांग्रेस पार्टी का वोटबैंक है। वोटबैंक के डर से ये लोग घुसपैठ नहीं रोकते हैं। उन्होंने कहा कि आप झारखंड की सरकार बदल दो, मैं आपसे वादा करता हूं कि एक एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर झारखंड से बाहर निकालने का काम हम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे इस प्रदेश में आदिवासियों की जगह घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। हमें इसे रोकना पड़ेगा। ये काम केवल और केवल भाजपा कर सकती है।

सेकेंडरी एग्रीकल्चर को प्रोत्साहित करने से सशक्त होंगे देश के किसानः राष्ट्रपति

रांची। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण के लिए सेकेंडरी एग्रीकल्चर की गतिविधियों को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को रांची के नामकुम स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सेकेंडरी एग्रीकल्चर (निसा) की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार एवं विकास और किसानों की सहायता के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। कृषि आधारित उद्योगों के विकास, एफपीओ और पैक्स जैसे संगठनों के विस्तार, दुनिया की सबसे बड़ी भंडारण योजना पर काम, प्राकृतिक खेती के विकास और सप्लाई चेन

को सशक्त करने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि किसानों को और सशक्त बनाने के लिए मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, कृषि पर्यटन सहित अन्य सेकेंडरी एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने की जरूरत है। 21वीं सदी में हमारे देश में कृषि क्षेत्र में तीन बड़ी चुनौतियां क्रमशः खाद्य पोषण एवं संरक्षण को बनाए रखना, संसाधनों का सस्टेनेबल इस्तेमाल सुनिश्चित करना और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कदम उठाना हैं। इन चुनौतियों का सामना करने में सेकेंडरी एग्रीकल्चर काफी मददगार साबित हो सकता है।

किसानों को प्राथमिक खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, कृषि पर्यटन जैसी गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाए तो उन्हें अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए गांव से बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी।

भाजपा की सरकार आई तो यूपी जैसे दिल्ली में महंगी होगी बिजलीः आतिशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की भावी मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को केंद्र और भाजपा की अन्य राज्यों की सरकारों पर हमला बोला। आतिशी ने कहा कि अगर इस बार चुनाव में फिर से अरविंद केजरीवाल को नहीं जिताया तो दिल्ली वालों का हाल बिजली के बिल और कटौती में उत्तर प्रदेश और बीजेपी की अन्य राज्यों की सरकारों जैसा हो जाएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने बिजली के कनेक्शन के दाम ढाई सौ गुना बढ़ा दिए हैं। उत्तर प्रदेश में गरीब परिवार जो 1 किलो वाट के छोटे-छोटे कनेक्शन लेते हैं, पहले वो मात्र 1200 रुपए देते थे। उसको बढ़कर अब 3000 कर दिया है। यानि ढाई सौ परसेंट की वृद्धि। अगर किसी का 5 किलो वाट का बिजली का कनेक्शन है, जो दिल्ली में रहने वाले आम मिडिल क्लास लोगों के लिए एक सामान्य बात है। उस 5 किलो वाट बिजली के कनेक्शन के दाम को यूपी सरकार ने 118 परसेंट बढ़ा दिया है। इसे 7967 से 17365 रुपए कर दिया है।

तिरुपति प्रसादम विवाद पर जेपी नड्डा में मांगी पूरी रिपोर्ट

कानून और FSSAI के दायरे में जो भी आएगा...

नई दिल्ली।

स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि मैं राज्य नियामकों से भी बात करूंगा और इसकी जांच करूंगा। खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप उचित कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मैंने रिपोर्ट मांगी है और हम इसकी जांच करेंगे।

तिरूपति मंदिर में लड्डू (मिठाई) को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ता ही जा रहा है। इन सबके बीत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने तेलुगु देशम पार्टी के

तिरूपति मंदिर में लड्डू (मिठाई) तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले घी में बीफ टैलो, लार्ड (सूअर की चर्बी से संबंधित) और मछली के तेल के आरोपों पर पूरी रिपोर्ट मांगी है। नड्डा ने इसको लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि इसकी जानकारी मिलने के बाद मैंने आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू से बात की और उनसे ब्योरा लिया। मैंने उनसे उपलब्ध रिपोर्ट साझा करने को कहा है ताकि मैं इसकी जांच कर सकूं।

स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि मैं राज्य नियामकों से भी बात करूंगा और इसकी जांच करूंगा। खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप उचित कार्रवाई की जाएगी।

'जिन्ना की पार्टी के नेताओं का स्वागत, बीजेपी के लोगों की उपेक्षा

झारखंड

हिमंत बिस्वा सरमा ने सवाल किया कि मैं जानना चाहता हूं कि जिन्ना की पार्टी झारखंड में क्यों आयी? मुख्यमंत्री ने केरल के मुस्लिम लीग प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया, लेकिन भाजपा नेताओं की उपेक्षा की और इसके बजाय उन्हें आने से रोकने के लिए चुनाव आयोग को लिखा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इंडियन यूनियन ऑफ मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के प्रतिनिधियों का स्वागत करने के लिए झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की आलोचना की। आईयूएमएल प्रतिनिधिमंडल, जिसमें सांसद ईटी मोहम्मद बशीर और हारिस बीरन और विधायक मोहम्मद बशीर शामिल थे, ने सोरेन से रांची में उनके आवास पर मुलाकात की।

मुख्यमंत्री कार्यालय के एक बयान में इस मुलाकात को 'शिष्टाचार मुलाकात' बताया गया। हालाँकि, सरमा ने सोरेन की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया।

मस्जिद तो तू दो टांग पर आएगा, लेकिन जाएगा स्ट्रेचर पर ही- वारिस

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितेश राणे ने शुक्रवार को संगोली में एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ज्यादा नहीं, सिर्फ 24 घंटे के लिए पुलिसकर्मियों को छुट्टी दे दी जाए, इसके बाद हम (हिंदू) अपनी ताकत दिखा देंगे। हम उन्हें यह एहसास दिला देंगे कि हममें कितना दम है।

नितेश राणे के इस बयान पर अब ऑल-इंडिया-मजलिस-ए-इत्तेहादुल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता वारिस पठान ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, ह्लकुत्तों को भोंकने से शेरों को फर्क नहीं पड़ता है। आए दिन यह लोग अनाप-शनाप बयानबाजी करते हैं।

तिरुपति के लड्डू में मछली और बीफ वाले मामले में हुई अमित शाह की एंट्री

आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व आंध्र प्रदेश सीएम जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर तत्काल सीबीआई जांच का आदेश देने का अनुरोध किया। प्रसाद में पशु की चर्बी का मामला सामने आया है उसको लेकर सियासत गरम हो गई है। तिरुपति मंदिर का ये प्रसाद विश्व प्रसिद्ध है। लोग भावनाओं के साथ इस प्रसाद

को ग्रहण करते हैं और ऐसे में पशु की चर्बी और मछली के तेल के खुलासे पर हड़कंप मच गया है। गुजरात की लैब की रिपोर्ट के मुताबिक जिस घी से तिरुपति का प्रसाद बनाया जाता है, उसमें पशु चर्बी और मछली के तेल के अंश पाए गए हैं। आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व आंध्र प्रदेश सीएम जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर तत्काल सीबीआई जांच का आदेश देने का अनुरोध किया।

वहीं कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि मामले की जांच करके दोषियों की पहचान की जानी चाहिए और सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए, लेकिन यदि दावे गलत या किसी और मकसद से प्रेरित हैं, तो तिरुपति के लाखों भक्त उन्हें माफ नहीं करेंगे जिन्होंने उनकी आस्था से खिलवाड़ किया है। टीटीडी ईओ श्यामल राव ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पहले ही लड्डू बनाने में पशु चर्बी का इस्तेमाल किये जाने की शिकायत की थी। आपूर्तिकताओं को चेतावनी दी गई थी।

आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम बन रहा गोरखपुर : सीएम योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि जिस गोरखपुर के नाम से 15-20 साल पहले भय होता था, सात साल पहले जहां सुविधाओं की कल्पना ही बेमानी थी, वही गोरखपुर अब आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम और नया पर्यटन हब बन रहा है।

रामगढ़ ताल में बने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट फ्लोट का उद्घाटन करने के बाद सीएम योगी ताल की जेटी पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की आवासीय परियोजना ग्रीनवुड अपार्टमेंट के सात लोगों को आवंटन प्रमाण पत्र का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग आज से डेढ़ दशक पहले गोरखपुर के नाम से डरते थे।

सात वर्ष पूर्व तक भी गोरखपुर विकास से कोसों दूर था। आज जिस स्थान पर यह आयोजन हो रहा है, वहां तो आना ही सपना था। रामगढ़ ताल गोरखपुर की गंदगी और अपराध का गढ़ बन चुका था। सर्किट हाउस में रुकने वाले अतिथियों और मंत्रियों के लिए अलग से फोर्स लगानी पड़ती थी। गोरखपुर का खाद कारखाना बंद हो चुका था। यहां का बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं बीमार हो गया था। गोरखपुर के लोगों को दिनभर जाम में फंसना पड़ता था।

उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर में फोर और सिक्स लेन की सड़कें हैं। यहां का एयरपोर्ट देश के व्यस्त एयरपोर्ट में से एक है। गोरखपुर में रेलवे की बेहतरीन कनेक्टिविटी है। खाद कारखाना फिर से चालू हो चुका है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा का बेहतरीन केंद्र बन गया है, एम्स भी संचालित है। रामगढ़ ताल कभी मृतप्राय हो चला था। आज 1,800 एकड़ में फैली यह प्राकृतिक झील पर्यटकों को नई आभा के साथ आकर्षित कर रही है। यहां नए-नए होटल खुल रहे हैं। रामगढ़ताल में क्रूज की सुविधा पहले ही शुरू हो गई थी।

वक्फ बिल पर कर रही विस्तार से चर्चा, स्टेकहोल्डर संग हो रही बातः नासिर हुसैन

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 को लेकर गठित की गई जेपीसी की पांचवी बैठक में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर रार-तकरार हुई।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नासिर हुसैन ने कहा कि, वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर हम सभी स्टेकहोल्डर से बात कर रहे हैं। इसके बाद टूर भी होगा। हम लोग विस्तार से इस पर चर्चा कर रहे है। हम चाह रहे हैं कि सारे स्टेकहोल्डर आए। जो लोग वक्फ से जुड़े हुए हैं, जिनका अपना

अनुभव है, हम लोग उन तमाम लोगों से बात करना चाह रहे हैं। क्योंकि यह मुस्लिम से जुड़ा हुआ बिल है।

हम चर्चा कर रहे है कि इसमें क्या संशोधन हो सकता है।

हरे राम सेवा संस्थान व सीएमपी डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाया राहत सामग्री

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शुक्रवार को हरे राम सेवा संस्थानऔर समाजशास्त्र विभाग एसीएमपी डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में प्रयागराज में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए एक विशेष राहत अभियान का आयोजन किया गया जिसके तहत बड़ी संख्या में प्रभावित परिवारों को आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इस राहत अभियान का नेतृत्व संस्थान के मुख्य ट्रस्टी अनंत सिंह जेलयांग ;असिस्टेंट प्रोफेसरए सीएमपी डिग्री कॉलेजद्ध ने किया। इस दौरान बाढ़ से प्रभावित परिवारों को पानी की बोतलेंए बिस्किटए आटाए चावलए दालए सैनिटरी पैड्सए और अन्य आवश्यक वस्तुएं निरूशुल्क प्रदान की गईं।

मुख्य ट्रस्टी अनंत सिंह जैलयांग ने बताया किए ष्हरे राम सेवा संस्थान का उद्देश्य संकट की इस घड़ी में बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाना है। यह संस्थान हमेशा समाजसेवा के कार्यों में अग्रणी रहा है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हर पीड़ित तक आवश्यक सामग्री पहुंचे। आने वाले दिनों में और भी क्षेत्रों में राहत कार्यों का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थान के सैकड़ों स्वयंसेवक लगातार प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी भी पीड़ित को भूखा न सोना पड़े। उन्होंने यह भी कहा किए समाज के ऐसे प्रयास ही आपदा के समय सच्ची मानवता का परिचय देते हैं। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे इस कार्य में समाज का हर व्यक्ति योगदान दे सकता है।

इस राहत वितरण कार्यक्रम के अंत में संस्थान की ओर से सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और आने वाले दिनों में लगातार ऐसे प्रयास करने का संकल्प लिया गया।हरे राम सेवा संस्थान पिछले कई वर्षों से समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के लिए कार्यरत है। संस्थान समय.समय पर विभिन्न प्रकार की राहत सेवाएं प्रदान करता रहा है और यह सुनिश्चित करता रहा है कि समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिले।इस आयोजन में सीएमपी डिग्री एसमाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉण्ऋतेश त्रिपाठीए डॉण् मनीष सिंहए डॉण् राम चिरंजीव पालएडॉ सपना मौर्य डॉ रुचिका चौधरी ए अंग्रेज़ी विभाग के डॉ अनिल पंडित और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने हरे राम सेवा संस्थान के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की और संकटग्रस्त परिवारों की मदद के लिए समाज से आगे आने की अपील की।इस पुनीत कार्य में सौरभ पाण्डेएयोगेश एअंकुर रौनियार, शान्तनु मिश्रा, आशीष जयसवाल, मनदीप चौधरी, सत्यम पवन, सौभाग्य, श्रेया, शालिनी, श्रुति , शिवानी, प्रवीण, काजल, अमीषा , कोमल, साक्षी, अर्पिता, स्वयं सेवकों और छात्र .छात्राओ ने बढ़.चढ़ कर हिस्सा लिया।

शुआट्स में अंतर हाउस वालीबॉल प्रतियोगिता आयोजित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शुआट्स वालीबॉल मैदान पर अंतर हाउस वालीबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच पुरुष वर्ग में येलो हाउस बनाम पिंक हाउस और महिला वर्ग में येलो हाउस बनाम ब्लू हाउस के बीच खेला गया। पुरुष वर्ग में पिंक हाउस ने येलो हाउस को 23.25ए 25.14ए 25.16 से तथा महिला वर्ग में ब्लू हाउस ने येलो हाउस को 25.13ए 25.16 से हराया। प्रतियोगिता के फाइनल मैच के मुख्य अतिथि कुलानुशासक डॉ राघव यादव थे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीम को बधाई दी। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष एवं एथलेटिक समिति की सचिव डॉ सुनीता बी जॉन ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

अपर कुलसचिव एवं एथलेटिक्स समिति के अध्यक्ष प्रोण् ;डॉद्ध सी जे वेस्ले ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए और अच्छे खेल कौशल के लिए बधाई दी। श्री गौरव सुमन और शारीरिक शिक्षा विभाग के समस्त स्टाफ और छात्र.छात्राएं उपस्थित थे। इस टूर्नामेंट का आयोजन वॉलीबॉल खेल प्रभारी श्री आशीष मैसी द्वारा किया गया। मुख्य रेफरी और सहायक रेफरी क्रमशः श्री अक्षय श्री गौरव थे। पुरुष वर्ग में टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार सिबिन ;येलो हाउसद्ध को दिया गयाए जबकि टूर्नामेंट के होनहार खिलाड़ी बोरी शोहे ;येलो हाउसद्ध रहे। इसी तरहए महिला वर्ग में टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सोनाली कुमारी ;ब्लू हाउसद्ध और टूर्नामेंट की होनहार खिलाड़ी अश्मिता टेरेंस ;येलो हाउसद्ध रहीं।

जमानी विवाद को लेकर विपक्षी घर मे घुस कर कई को लाठियों से मारे पीटे मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। जमीनी विवाद को लेकर पडोसी लाठी डंडा लेकर घर में घुस कर कई को मारे पीटे जान से मारने की धमकी दिए। पुलिस ने एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के चकबेग उर्फ रामपुर डांडी निवासी राज कुमार सरोज पुत्र राम सरोज का आरोप है कि जमीनी रंजिश को लेकर पडोसी एक राय होकर उसके घर में लाठी डंडा लेकर घुस आए जाति सूचक गालियां देते हुए उसे उसकी पत्नी सुशीला देवी पुत्री रूबी लडका आशीष भाई छोटे लाल उसकी पत्नी बिटोला बडे भाई शंकर लाल और उनकी पत्नी सोना देवीएभतीजा रमेश कुमार को मार पीट कर लहुलुहान कर दिए। राज कुमार सरोज ने मऊआइमा थाने में राम बाबूए ज्ञान सिंहए तुलसीराम पटेलए वीरेंद्र पालए दिनेश कुमार पटेलएदारा सिंहएराम सिंह पटेल अजय कुमार पटेल के खिलाफ एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज करा दिया है।

नैनी व्यापार मंडल की ओर से शोक सभा आयोजित

नैनी/प्रयागराज। शुक्रवार को नैनी व्यापार मण्डल की ओर से एक शोक सभा मेवा लाल बगिया स्थित कार्यालय पर आयोजित हुई।जिसमे नैनी के जाने माने डॉक्टर व समाजसेवी गरीबों के मसीहा डॉ अनवार अहमद के आकस्मिक निधन हो जाने पर दुःख प्रकट किया गया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। शोक सभा में मुख्य रूप से अध्यक्ष सुभाष चंद केशरवाना, घनश्याम जायसवाल, नाज़िम खान, रमेश चंद केशरवानी, राधेश्याम गुप्ता, मो अजहर, राजेश केशरवानी, डब्लू जायसवाल, अंकित कनौजिया, लियाक़त अली, गुड्डू, रामजी मिश्रा, चन्द्रबली जाटव, बंटी आदि मौजूद रहे।

स्कूल वाहन की टक्कर से छात्र की मौत घर में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

उतरांव/प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के धशीपुर नेशनल हाईवे सर्विस रोड पुलिया के पास स्कूल वाहन की टक्कर से एक छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। छात्र की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। धनशीपुर थाना उतरांव निवासी विजय कुमार यादव मुंबई में रहकर एक प्राइवेट कंपनी में काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। गुरुवार लगभग 2रू00 बजे के करीब विजय का बेटा नितिन यादव उम्र 15 वर्ष जो अपनी साइकिल से अपने खेत में फसल देखने के लिए जा रहा था। जैसे ही धनशीपुर रहीम पट्टी नेशनल हाईवे पुलिया के पास पहुंचा था की तेज रफ्तार आ रही स्कूल वाहन की टक्कर से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया।

टक्कर मारकर स्कूल वाहन मौका पाकर फरार हो गया। मृतक नितिन यादव दसवीं का छात्र था। जो धनशीपुर के एक विद्यालय में पढ़ता था।मृतक नितिन यादव दो भाई व एक बहन में सबसे बड़ा था। नितिन यादव की मौत से माता बबीता देवी समेत परिजनों का रो.रोकर बुरा हाल है।

मोती लाल नेहरू डिग्री कॉलेज कौंधियारा में सोमवार को लगेगा रोजगार मेला

अखंड भारत संदेश

करछना/प्रयागराज। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालयए प्रयागराज द्वारा मोती लाल नेहरू डिग्री कालेजए कौंधियाराए करछनाए प्रयागराज परिसर में दिनांक 23 सितंबर सोमवार को प्रातः 11 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है।

रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की डस्की स्टेलियन सर्विस प्रा0लि0ए सतिन क्रेडिट केयर नेटवर्क लि0ए जी04एस0 सिक्योर साल्यूशन इण्डिया प्रा0लि0, शिव एच0आर0 साल्यूशनए ब्राइट फ्यूचयर आर्गेनिक हर्बल्स एण्ड आयुर्वेदिक प्रा0लि0ए टीमलीज़ सर्विस लि0ए भारत फाइनेन्स इन्क्लूज़न लि0ए पुखराज हेल्थकेयर प्रा0लि0 आदि कम्पनियों द्धारा लगभग 1500 विभिन्न रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही की जायेगी । रोजगार मेले में उत्तीर्ण, आयु सीमा 18 से 40 वर्ष के अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल पर अपना पंजीयन करके अपने समस्त अंक.पत्र एवं जाति प्रमाण.पत्र की छायाप्रति के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थी रिक्तियों से सम्बन्धित विस्तृत विवरण रोजगार संगम पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं।

कौंधियारा पुलिस द्वारा वांछित आरोपी गिरफ्तार

करछना/प्रयागराज। सहायक पुलिस आयुक्त कौंधियारा विवेक यादव के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक कौंधियारा गणेश तिवारी के नेतृत्व में थाना कौंधियारा पुलिस टीम द्वारा फरार चल रहे वांछित अभियुक्त राम लाल पुत्र सूरजदीन निवासी ग्राम जारी कौंधियारा को शुक्रवार की सुबह ग्यारह बजे गल्ला मंडी जारी बाजार में दबिश देकर गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय भेज दिया गया ।

नैनी व्यापार मंडल ने दिया डॉ. अनवार को दी गई श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

नैनी/प्रयागराज। नैनी व्यापार मण्डल की एक शोक सभा का आयोजन मेवा लाल बगिया स्थित कार्यालय पर हुई। नैनी के जाने माने डॉक्टर व समाजसेवी गरीबों के मसीहा डॉ अनवार अहमद के आकस्मिक निधन हो जाने पर दुःख प्रकट किया गया एवं दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। शोक सभा में मुख्य रूप से अध्यक्ष सुभाष चंद केशरवानीए घनश्याम जायसवालए नाज़िम खानए रमेश चंद केशरवानीए राधेश्याम गुप्ताए मो अजहरए राजेश केशरवानीए डब्लू जायसवालए अंकित कनौजियाए लियाक़त अलीए गुड्डूए रामजी मिश्राए चन्द्रबली जाटवए बंटी पटेल आदि मौजूद रहे।

बदलते मौसम के चलते सीएचसी में मरीजों की तादात बढ़ी

अखंड भारत संदेश

मांडा/प्रयागराज। बरसात के बाद उल्टी व दस्त के मरीजों की संख्या में काफी कमी आयीए लेकिन सर्दीए खांसी व बुखार के मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई है। मांडा सीएचसी की ओपीडी औसत तीन सौ तक पहुंच गयी है।

दो दिन हुए बरसात से उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या में काफी कमी हुई है। मांडा सीएचसी में बरसात के पहले औसत एक दर्जन उल्टीए दस्त के मरीज प्रतिदिन भर्ती होते थेए लेकिन इस समय बरसात के बाद यह संख्या औसत चार मरीज प्रतिदिन हो गई है। मांडा सीएचसी में इन दिनों सर्दीए खांसी व बुखार के मरीजों की भरमार है। सीएचसी अधीक्षक डा अजीत सिंह ने बताया कि बुखार के मरीजों के प्रति काफी सावधानी बरतनी पड़ रही है। तरह तरह के बुखार होने के कारण पहले सीएचसी में ही जांच के बाद मरीजों को दवा दी जाती है। ज्यादातर मरीज इन दिनों वायरल बुखार के निकल रहे हैं। बरसात के पहले औसत प्रतिदिन ओपीडी ढाई सौ होती थीए लेकिन बरसात के बाद ओपीडी के मरीजों की संख्या औसत तीन सौ मरीज प्रतिदिन हो गई है। ओपीडी के बाहर व अंदर मरीजों की भरमार रहती

मृतक के घर पर परिवार की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस

अखंड भारत संदेश

मांडा/प्रयागराज। यमुनापार क्षेत्र के मांडा थाना अंतर्गत गरेथा ;आंधीद्ध निवासी संदीप सोनी उर्फ सोनू ;26द्ध पुत्र संतोष सोनी की बीती रात धरावनारा गाव स्थित धान के खेत मे पाए जाने पर । प्रातः सुबह मृतक की बाइक सहित शव देख ग्रामीणों मे सनसनी फैल गई। उक्त सूचना सोनू सोनी की मौत से डरे सहमें परिवार की सुरक्षा व्यवस्था में उनके घर पर पुलिस तैनात हैं स वही परिवार की सुरक्षा व्यवस्था के साथ घटना को इंजाम देने वाले आरोपी की पुलिस टीम जांच तड़ताल कर रही हैं स मांडा इंस्पेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि पीड़ित परिवार के घर पर पुलिस बल तैनात है और आरोपियों की जांच कर अतिशीघ्र पर्दाफास किया जाएगा।

बाइक में कार ने मारी टक्कर बाइक सवार पिता और पुत्र की हालत नाजुक

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। बाइक से घर जा रहे पिता पुत्र की बाइक में कार ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोरांव थाना क्षेत्र के ग्राम खलीनार देवरिया निवासी तेज बहादुर ट्रक चालक है।वह अपनी ट्रक सरपताही नहर स्थित ट्रक मालिक ओमप्रकाश के यहां खडी करके अपने पुत्र अस्मिता की बाइक पर बैठ कर घर के लिए चला था कि। बताया गया है कि तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे पिता तेज बहादुर और पुत्र अस्मिता गंभीर रूप से घायल ष्हो गए। जिन्हें निजी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तेज बहादुर की पत्नी मंजू देवी ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

मेजा क्षेत्र में भाजपा नेता के घर से पल्सर बाइक चोरी

अखंड भारत संदेश

सिरसा/प्रयागराज। मेजा क्षेत्र ब्लाक उरुवा अंतर्गत ग्राम सभा कोटहा में एक ब्यक्ति अपने ससुराल में आया हुआ था जहाँ रात्रि में चोरों ने बाइक चोरी कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार हरीश विश्वकर्मा पुत्र राजू विश्वकर्मा ग्रामसभा भरारी माण्डा ने अपने ससुराल कोटहा भाजपा नेता ओम प्रकाश विश्वकर्मा जिला कोषाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा के यहां आया हुआ था। घर के बरांडे में बाइक खड़ी थी रात्रि में बाइक को चोरो ने चोरी कर लिए। पल्सर बाइक का मालिक का नाम राहुल कुमार सिंह हैं और पल्सर बाइक का नम्बर न्च् 70 थ्क् 9898 हैं। बाइक के डिग्गी के अंदर मोबाइल भी हैं और मोबाइल नम्बर 8957377669 पर रिंग बराबर जा रही हैं लेकिन मोबाइल को रिसिब नही किया जा रहा हैं।

सुबह जब घर के लोग सोकर उठे तो देखा कि बरांडे में बाइक खड़ी नही थी। घर के सब लोग इधर.उधर देखने लगे और लोगो से पूछताछ व खोजने लगेंए लेकिन बाइक का कोई आता.पता नही चला। देखा जाय और गौर किया जाय इन दिनों मेजा क्षेत्र में चोरी और छिनैती का सिलसिला लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। और चोर चोरी का घटना का अन्जाम दे कर बड़े आराम से रफूचक्कर हो जा रहा है। साशन.प्रशासन कोई भी चोरी का आज तक खुलासा नही करा पाया। इस विषम स्थित से क्षेत्रवासियों में आक्रोष बना हुआ है।

मऊआइमा में तीन ग्राम प्रधानों को दिलवाई गई शपथ

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मऊआइमा में विगत दिनों हुए ग्राम प्रधान के तीन रिक्त पदों पर निर्वाचित नव निर्वाचित ग्राम प्रधान मलखानपुर से अजय कुमारए ग्राम सभा सराय बादशाह कुली से हबीबुर्रहमानए ग्राम सभा मलाकबेला से राधा देवी को शुक्रवार को बीडीओ उमेश सिंह ने विकास खंड कार्यालय में शपथ दिलवाई।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सोमवार से

अखंड भारत संदेश

सहसों/प्रयागराज। क्षेत्र के चन्दरपुर उर्फ बसमहुआ गांव में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन आगामी 23 सितंबर सोमवार से किया गया है। जिसमें कथा व्यास अयोध्या धाम से पधारे आनंद भूषण महाराज श्रोता भक्तों को प्रतिदिन दो बजे से श्रीमद् भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों का रसपान कराएंगे। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य यजमान चिंतामणि शुक्ल ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा 23 सितंबर सोमवार से प्रारंभ होकर 29 सितंबर रविवार तथा 30 सितंबर को हवन पूजन व महाप्रसाद के आयोजन होगा।

औद्योगिक क्षेत्र में युवक ने की खुदकुशी, पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप

अखंड भारत संदेश

नैनी/प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र के पुरा पांडिय इलाके में युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मामले में पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसआरएन अस्पताल भेज दिया। शुक्रवार को परिजन पुलिस पर प्रताड़ना की वजह से खुदकुशी का आरोप लगाते हुए पोस्टमार्टम हाउस से शव लेने से इनकार कर दिया। इस पर पुलिस के हाथ पांव फूल गए। मामले एसीपी करछना मृतक के घर पहुंचे। परिजनों की मांग पर अिथक मदद और आरोप की जांच कराकर कार्रवाई करने का आश्वासन दियाए तब परिजन शव लेने गए। औद्योगिक क्षेत्र थाना के पुरा पांडेय इलाके में रहने वाले महेंद्र प्रजापति के तीन बेटे अरविन्द प्रजापति उर्फ गुड्डूए प्रदीप और शनि थे। गुरुवार रात सबसे बड़े बेटे 22 वर्षीय अरविन्द ने कमरे में पंखे के चुल्ले से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह परिवार वालों का आरोप था कि स्थानीय थाने के एक दरोगा और एक सिपाही के लगातार परेशान करने से अरविन्द ने ऐसा कदम उठाया। मामले में डीसीपी यमुनानगर विवेक कुमार ने बताया कि फांसी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। ऐसे में पुलिस प्रताड़ना का आरोप गलत है। घरवालों ने कोई तहरीर भी नहीं दी है।

जमुनापार करछना के विख्यात रामलोचन सांवरिया को कवियों ने दी श्रद्धांजलि.

अखंड भारत संदेश

करछना/प्रयागराज। रामायतन सेवा संस्थान करछना के द्वारा लोकविद् राम लोचन सांवरियां स्मृति श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।इस दौरान मौजूद कवियों और युवा समाजसेवियों ने उन्हे याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए।वरिष्ठ गीतकार राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि उनके मौलिक और उत्कृष्ट लेखन में बोली बानी का अनूठा शब्दशिल्प भीड़ से अलग अपनी माटी की पहचान और सांवरियां के लोकप्रियता की मिशाल है।लोक नाट्य नौटंकी की अंतिम कडी के रूप में उन्होने जो ख्याति अर्जित की उसका कोई सानी नही।डाण्वीरेंद्र सिंह कुसुमाकरएसंतोष शुक्ल समर्थ और संजय पांडेय सरस ने कविताओं में उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की।संयोजक कवि ह्दयेंद्र प्रताप सिंह ने उनकी सादगीएमिलन सारिता और लोक प्रियता को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी।इस मौके पर युवा समाजसेवी रिंकू सिंहएअरूणेंद्र सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

चार पहिया एवं बाईक की टक्कर में घायल युवक की मौत

अखंड भारत संदेश

सहसों/प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के खोदायपुर कासिया का पूरा गांव निवासी अभिषेक कुमार निगम 21 वर्ष पुत्र नरेश चंद्र निगम बाइक से शुक्रवार की सुबह लगभग 7रू30 बजे प्रयागराज जा रहा था।

वह जैसे ही थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों अंतर्गत सहसों बाईपास पर पहुंचा ही था कि चार पहिया वाहन से जोरदार भिडंत हो गई। जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तत्काल सरकारी एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनी भिजवाया।

जहां पर चिकित्सकों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया। जहां पर जांच पड़ताल वे उपरांत चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। अभिषेक दो भाई एक बहन में दूसरे नंबर का था। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। पिता महोबा में दरोगा के पद पर तैनात हैं। युवक की मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में हाहाकार के साथ कोहराम मच गया।

सास को तेजाब से जलाकर मारने वाली बहू को उम्रकैद

प्रयागराज कोर्ट ने 20 साल बाद सुनाया फैसला, सोते समय उड़ेल दिया था एसिड का कैन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में जिला अदालत ने एक ऐसी बहू को उम्रकैद की सजा सुनाई है जिसने घरेलू कलह और खुन्नस की वजह से अपनी सास पर सोते समय तेजाब डाल दिया था।

वर्ष 2004 के इस सनसनीखेज मामले में 20 साल बाद आरोपित बहू माधुरी कुशवाहा को दोषी पाते हुए कोर्ट ने आजीवन सश्रम कारावास और 40,000 रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाई।20 साल बाद आए इस फैसले पर मारी गई सुदामा देवी के बेटे और बेटी को राहत मिली है जिन्होंने लंबी लड़ाई के बाद अपनी मां की कातिल को सजा दिलाई। अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि सुदामा देवी के पुत्र और पुत्री यानी मोनू कुशवाहा और पूजा कुशवाहा को अर्थदंड का 90 प्रतिशत दिया जाए।

यह फैसला सत्र न्यायाधीश संतोष राय ने आरोपिता के अधिवक्ता एवं जिला शासकीय अधिवक्ता गुलाब चंद्र व बालकृष्ण मिश्र को सुनकर एवं पत्रावली पर उपलब्ध सबूत का अवलोकन करने के बाद दिया।

बेटे मोनू ने दर्ज कराया था भाभी पर केस

मुकदमा दर्ज कराने वाले रोहित उर्फ मोनू कुशवाहा निवासी नया पुरवा करेली रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 20 मई 2004 की रात को उसकी मां सुदामा देवी छत पर सो रहीं थीं तभी अचानक उसकी भाभी माधुरी ने रंजिश वर्ष चेहरे व शरीर पर तेजाब डालकर जला दिया। इससे वह पूरी तरह जल गई थीं। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

इतने गवाहों की हुई पेशी

कोर्ट ने सजा सुनाने से पहले छह गवाहों का बयान दर्ज किया। कई बार गवाही हुई। बहसए जिरह का मौका मिला। इन गवाहों में मोनू कुशवाहाए पूजाए डॉण् हरीशचंद्रए डॉण् जेएलएम कुशवाहाए राम आसरेए सत्यनारायण सिंह रहे।

कत्ल की वजह

बताते हैं कि बहू मधुरिमा का सास से बहुत ज्यादा झगड़ा होता था। दोनों के बीच आए दिन कहासुनी होती थी। इससे घरेलू कलह बढ़ती जा रही थी। खुन्नस की वजह से बहू ने जब देख कि सास अकेले छत पर सोई है तो उसने तेजाब डाल दिया ताकि यह लगे कि किसी ने दुश्मनी वश ऐसा किया।

लोढ़ी डीह, उग्रसेनपुर से गाजे बाजे संग गया धाम किया प्रस्थान

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर/प्रयागराज। सनातन धर्म परंपरा में पुत्र के तीन प्रमुख कर्तव्य हैं पहला. जीवित माता.पिता की सेवाए दूसरा. देहांत के उपरांत उनका श्राद्ध और तीसरा. उनकी मुक्ति के लिए पवित्र तीर्थ में पिंडदानए इन तीनों को पूरा करने वाला ही अपने पुत्रत्व को सार्थक करता है दिवंगत माता.पिता के प्रति श्रद्धापूर्वक किया गया कर्म ही श्राद्ध है। पिंडदानए तर्पण और दान इसकी विधि है जो किसी पवित्र तीर्थ के तट पर करने का विधान है। लोढ़ी डीहए उग्रसेनपुर निवासी राजकुमारी देवी पत्नी सुभाष चंद्र मिश्रए सुशीला देवी पत्नी कृष्णदेव मिश्रए गीता देवी पत्नी स्वर्गीय श्रीकांत मिश्र शुक्रवार को अपने पित्रों एवं माता पिता के श्राद्ध तर्पण हेतु गाजे.बाजे ढ़ोल नगाड़ों के साथ पूरे खानदान के हर घरों में अक्षत छिड़कते हुए पूरे गांव की परिक्रमा करते हुए गया धाम की यात्रा पर प्रस्थान किया। इस अवसर पर मौजूद परिजनों में बृजेश मिश्र, लालजी मिश्र, कमलेश मिश्र, सुयोग मिश्र, योगेश मिश्र, सर्वेश मिश्र, जयशंकर मिश्र, इंद्रदेव, सूर्यदेव, संजीव, राहुल, मोहित, रोहित, शिवशंकर मिश्र, श्याम तिवारी, राहुल तिवारी, सुशील दुबे, सुनील दुबे, संजय तिवारी, अरविंद सोहगौरा, निलेश, सिंटू तिवारी, विजय शंकर तिवारी, विपिन बेसी, सौरभ, कृष्णा, दीपक, सचिन आदि लोग मौजूद रहे।

डिवाइडर से बुलेट टकराई, हादसे में युवक की मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। घूरपुर इलाके में शुक्रवार को एक बुलेट अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार 19 वर्षीय सार्थक सिंह की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दूसरा युवक जख्मी हो गया।

हादसे का शिकार हुआ सार्थक पत्रकार लाल रणविजय सिंह का इकलौता बेटा था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा है। हादसे में जख्मी वंश सिंह की हालत गंभीर है।शिवकुटी थाना क्षेत्र के रसूलाबाद के रहने वाले लाल रणविजय सिंह की पत्नी का निधन कई साल पहले हो चुका है। घर में बुजुर्ग मांए बेटी काजल और उससे छोटा बेटा सार्थक था। सार्थक अपने दोस्त 20 वर्षीय वंश सिंह के साथ यमुनापार में एक कार्यक्रम में शामिल होने गया था।वहां से दोनों बुलेट से लौट रहे थे। घूरपुर

थाना क्षेत्र के उमरी बुंदावा गांव के पास अचानक सड़क पर जानवर आ गया। उससे बचने के चक्कर में उनकी बुलेट अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

हादसे में सार्थक की मौत हो गई। रसूलाबाद घाट पर सार्थक का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानीए कांग्रेस नेता किशोर वार्ष्णेयए मुकुंद तिवारीए सपा नेता दानबहादुर मधुर समेत बड़ी संख्या में पत्रकारए खिलाड़ीए प्रशिक्षक और अधिकारी मौजूद रहे।

पत्रकार के बेटे सार्थक के निधन पर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने शोक जताया है। उन्होंने कैंप कार्यालय पर शोक सभा की जहां पर मृतक आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने के सिखाए पाठ

अखंड भारत संदेश

नैनी/प्रयागराज। नैनी प्रोफण् राजेंद्र सिंह ;रज्जू भय्याद्ध विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के क्रम हुए शुक्रवार को हुए आयोजन में बोलते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति ने सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत की संकल्पना को हमे अपने दैनिक जीवन मे अपनाना हमारा कर्तव्य है और इसके लिए ज़रूरी है कि हम स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहते हुए दूसरों को भी सजग बनायें। इस अवसर पर बोलते कहा कि हमें इस अभियान को पूर्ण रूप से सफल तभी किया जा सकता

है जब हम सभी लिए सामूहिकता से श्रमदान करें । विवि कुलसचिव संजय कुमार ने भी इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि हमें इस स्वच्छता अभियान के लिए गाँव.गाँवए गली गली तक जाकर इसका विस्तार करना चाहिए। स्वच्छता की तरफ़ बढ़ाया गया हमारा एक क़दम पूरे देश और समाज को स्वच्छ बनाने में हमारी मदद करेगा। विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक प्रोण् भास्कर शुक्ल ने कहा कि हम न तो किसी प्रकार गंदगी करें और न किसी को करने दें। इसके लिए हमें अपने परिवारए मुहल्लेए गाँव से इसकी शुरुआत करनी होगी। इस अवसर पर विवि परिसर कार्यक्रम अधिकारी डॉण् अतुल कुमार वर्मा ने सभी को स्वच्छता शपथ दिलाई और और इसे अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विवि के सभी अधिष्ठाताए शिक्षकए अधिकारियो सहित विवि परिसर के सभी स्वयंसेवक सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राएँ उपस्थित रहे।

सचिव की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन

पांच शिकायती पत्रों में तीन का मौके पर निस्तारण

अखंड भारत संदेश

सोरांव/प्रयागराज। जन समस्याओं का निराकरण एवम पारदर्शिता सरकार की प्राथमिकता है। इसी बात को लेकर 23 दिसंबर से सरकार ने सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम्य विकास के अधिकारियों को अपने कार्य क्षेत्र से जुड़े ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की विकास से जुड़ी हर समस्या को मौके पर ही पारदर्शिता तथा गुणवत्ता पूर्वक निस्तारित करने का निर्देश दिया है।

इसी बात को लेकर शुक्रवार को सोरांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत उसरही के ग्राम सचिवालय पर ग्राम चौपाल का आयोजन ग्राम पंचायत अधिकारी नितेश कुमार की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें साफ सफाईए शौचालयए आवासए

पेंशनए मनरेगा से कराए गए कार्य का सत्यापनए15 वें वित्त से कराए गए कार्य का सत्यापनएमुख्यमंत्री बाल सेवा योजना आदि के विषय में चर्चा की गई। तथा ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दिए।

इस चौपाल में कुल 5 शिकायत ग्रामीणों द्वारा की गई। जिसमे से तीन शिकायती पत्रों का निस्तारण ग्राम पंचायत अधिकारी नितेश कुमार व ग्राम प्रधान पति अवधेश कुशवाहा और ग्राम प्रधान सीता देवी ने मौके पर ही कर दिया। सचिव ने बताया की आवास के लिए 18 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिसको रजिस्टर में सभी आवेदकों के नाम अंकित कर लिए गए जांचों उपरांत जो भी पात्रता की श्रेणी में आएगा उसको आवास दिया जायेगा। वहीं ग्राम पंचायत लखनपुर करन में भी ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। लेकिन एक भी शिकायती पत्र नही आया।

मौके पर राजेश कुमार पत्रकारएलेखपाल अरुण सरोजएपंचायत सहायक उर्मिला देवीए सफाई कर्मी गौरी शंकरएसर्वजीतए समाज सेवी समशेर पटेलए प्रधान फूलकलीएप्रधान पति कृष्ण लाल पटेलए सचिव लाल प्रताप यादव आदि रहे।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में पुरुषो से अधिक महिलाओं की रही भीड़

अखंड भारत संदेश

मांडा/प्रयागराज। शुक्रवार को कांली के मन्दिर परिसर में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में एसजी आई हॉस्पिटल लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, सिविल लाइन्स प्रयागराज के योग्य डॉक्टर क्षेत्रवासियों की आंखों का प्रशिक्षण कर दवा के साथ उचित सलाह दी।

कार्यक्रम के आयोजक विश्व हिंदू परिषद पदाधाधिकारी संदीप द्विवेदी, राजू प्रजापति, राम प्रताप यादव, गुलाब कुशवाहा, घनश्याम गौड़, राजेश कुमार अरविंद कुमार सोनकर, विनोद कुमार, लल्लन लहरी के मौजूदगी में सैकड़ों लोग अपनी आंखों की जॉच कराए दूर दराज से आए डॉक्टरों ने इस शिविर में क्षेत्रवासियों को रियायती

दर पर चश्मे भी उपलब्ध कराने की बात कहीं। इसके अलावाए मोतियाबिंद के मरीजों को आपरेशन कराने के लिए आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा। शिविर का उद्देश्य क्षेत्रवासियों की आंखों की सेहत की जांच करना और उन्हें आवश्यक उपचार प्रदान करना है। यह शिविर क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर हैए जिससे वे अपनी आंखों की सेहत की जांच करा सकते हैं और आवश्यक उपचार प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा विस्तृत जांच की गईं। शिविर में सभी आयु वर्ग के लोग बढ़ चढ़ के भाग लिए।

नगर आयुक्त द्वारा बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का किया औचक निरीक्षण, अवर अभियन्ता का रोका वेतन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज द्वारा बाढ प्रभावित क्षेत्रों में पानी लैटने के उपरान्त समुचित साफ.सफाई हेतु निरन्तर आदेशित किया जाता रहा है।

उक्त के दृष्टिगत शुक्रवार को प्रयागराज के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने हेतु औचक निरीक्षण चन्द्र मोहन गर्गए नगर आयुक्त प्रयागराज द्वारा किया गया।नगर आयुक्त द्वारा सर्वप्रथम पत्रकार कालोनी कछारए अशोक नगर नेवादा कछार क्षेत्र तथा छोटा बघाड़ा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। बाढ ग्रस्त क्षेत्रों में कुछ नालियॉ तथा सड़क ध्वस्त हो

गयी थी जिसके लिए मुख्य अभियन्ता सतीश कुमार को निर्देशित किया गया कि नालिंया व सड़क मरम्म कार्य कराया जाए। साथ ही इन कछार क्षेत्रों में खाली पडे .प्लाटोंए तथा भवनों के बेसमेन्ट में रूके पानी को पम्प लगा कर निकालने के आदेश अधिशाषी अभियन्ता को दिये गयेए साथ ही इन क्षेत्रों में पशुपालकों द्वारा डेलियों का संचालन भी पाया गया। नगर आयुक्त द्वारा पशुचिकित्सक कल्याण अधिकारी एवं अपर नगर आयुक्त ;एद्ध को निर्देशित किया गया कि डेरीमालिकों को नाटिस निर्गत करते हुए डेरी को हटवाया जाए। सभी बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में जी0वी0पी0 की साफ.सफाई कराते हुए क्लीन कराया जाए। थार्नहिल रोड पर अत्यधिक वेण्डर के कारण तथा अतिक्रमण के कारण असमस जाम की स्थिती बनी रहती है जिसे अतिक्रमण मुक्त किये जाने हेतु नगर निगम ई0टी0एफ0 की टीम को निर्देशित किया गया।

सम्पूर्ण निरीक्षण के दौरान समबन्धित अधिशाषी अभियन्ता तथा अवर अभियन्ता उपस्थित नही पाये गये। इस प्रकार की लापरवाही के कारण नगर आयुक्त द्वारा रोष व्यक्त करते हुए मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया कि सम्बान्धित अवर अभियन्ता एस0के0मिश्र का वेतन रोकने साथ ही अधिशाषी अभियन्ता अनिल मौर्या को कारण बताओ नोटिस निर्गत किया जाए। इसके साथ ही नगर आयुक्त द्वारा सभी जोनल अधिकारी एवं सफाई एवं खाद्य निरीक्षको को बाढ़गस्त क्षेत्रों में बाढ का पानी लौटने के उपरान्त खाली प्लाटों तथा बेसमेन्टों से जल निकासी का कार्यए फॉगिंग कार्य तथा सम्पूर्ण क्षेत्रों की नियामित रूप से साफ.सफाई कारते हुए चूनाए मैलाथियान एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव नियमित रूप से कराये जाने के निर्देश दिये गये।

मोदी योगी के सरकार में पिछड़ा वर्ग का उत्थान तीव्र : मंत्री नरेंद्र कश्यप

अखंड भारत संदेश

सहसों/प्रयागराज। मोदी और योगी के नेतृत्व में पिछड़े समाज के 26 लाख छात्र और छात्राओं की शुल्क पूर्ति के लिए 2475 करोड़ की धनराशि एवं 200 करोड़ की धनराशि शादी अनुदान के लिए स्वीकृत किया। सरकार ने 35 करोड़ की धनराशि से छात्र छात्राओं को ओ लेबल की शिक्षा देकर रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया। उक्त बातें बसमहुआ स्थित आर डी सिंह महाविद्यालय ग्रुप ऑफ़ एजुकेशन के प्रांगण में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी गंगापार द्वारा आयोजित पिछड़ा मोर्चा सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि नरेंद्र कश्यप राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने कही। उन्होंने कहा कि 41 लाख दिव्यांग जनों के जीवन के उत्थान के लिए शासन

द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। आज प्रदेश में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधिए उज्ज्वला योजनाए प्रधानमंत्री आवास योजनाए बिजली व्यवस्थाए सड़क आदि योजनाओं से लाभान्वित करने का काम किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम में लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा गर्भवती महिलाओं को फलए नवजात शिशुओं को अन्न प्रकाशन ए दिव्यांग जनो को ट्राई साइकिल एवं छात्र.छात्राओं को ओ लेवल प्रमाण पत्र तथा स्वीकृत पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया। मुख्य अतिथि ने कहा केंद्र एवं प्रदेश की सरकार में पिछड़ा वर्ग के लोगों का उत्थान बहुत ही तीव्रता से हो रहा है। कार्यक्रम को फूलपुर विधानसभा उपचुनाव प्रभारी राकेश सचान कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में हर वर्ग का सम्मान हैए भयमुक्तए माफियाए अपराध से मुक्त वातावरण बनाने की ओर अग्रसर योगी सरकार ने सराहनी कार्य कर उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा प्रदेश शासन में सबसे ज्यादा भागीदारी पिछड़े वर्ग का ही है। इस मौके पर सांसद फूलपुर प्रवीण पटेलए विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरीए पूर्व सांसद केशरी देवी पटेलए क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व फूलपुर चेयरमैन अमरनाथ यादवए जिला अध्यक्ष कविता पटेलए क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा अश्विनी पटेलए पूर्व विधायक प्रभाशंकर पाण्डेयए विधायक गुरु प्रसाद मौर्यए विधानसभा प्रभारी सुरेश द्विवेदी आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक व प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल तथा जिला अध्यक्ष कविता पटेल आदि के द्वारा 51 किलो की माला पहनकर अतिथियों का जोरदार स्वागत व अभिनंदन तथा मोमेंटए बुकें एवं अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कविता पटेल एवं संचालन जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा विजय पटेल ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रमुख बहादुरपुर अरूणेन्द्र यादवए राकेश बहादुर सिंहए पूर्व जिला अध्यक्ष अमरनाथ तिवारीए पूर्व जिला अध्यक्ष अश्विनी कुमार द्विवेदीए भाजपा नेता वीरेंद्र बहादुर सिंहए जय प्रकाश द्विवेदीए सुरेश तिवारीए जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापार अनिरुद्ध सिंह पटेलए जिला मीडिया प्रभारी बृजेश त्रिपाठीए राम पलट पटेलए कमलेश मिश्राए अजय कुमार श्रीवास्तवए राजधर द्विवेदीए अनिल सरोजए संजय सिंहए अजय श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में महिलाएं बच्चे एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवक ने किया सुसाइड: परिवार बोला-पुलिस वाले परेशान कर रहे थे, कमरे में लगाई फांसी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अरविंद प्रजापति ने पुलिस उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली। अरविंद के परिवार का आरोप है कि उसे लगातार पुलिस प्रताड़ित कर रही थी। डेढ़ महीने पहले जमानत पर छूटने के बाद से ही पुलिस उस पर दबाव बना रही थीए जिससे वह मानसिक तनाव में था।

शुक्रवार को अरविंद का शव उसके कमरे में साड़ी के फंदे से पंखे से लटका मिला। परिवार वालों का कहना है कि 19 सितंबर की रात को इंडस्ट्रियल एरिया थाना के सड़वा चौकी इंचार्ज ने अरविंद को पकड़ने के लिए दबिश दी थी। डर के मारे अरविंद घर भागा और खुद को कमरे में बंद कर लिया। उस रात वह बिना किसी को कुछ बताए अपने कमरे में चला गया। अगले दिन जब परिवार ने दरवाजा खोला तो अरविंद को फांसी के फंदे पर लटका पायाए जिससे पूरे घर में कोहराम मच गया।

लड़की के अपहरण के मामले में जेल गया था अरविंद

अरविंद, 22 के पिता महेंद्र

प्रजापति ने बताया कि कुछ समय पहले एक नाबालिग लड़की को भगाने के आरोप में पुलिस ने अरविंद को जेल भेजा था। हाल ही में जमानत पर छूटने के बाद से पुलिस उसे लगातार परेशान कर रही थी। पुलिस का दबाव था कि अरविंद उस लड़की से शादी करेए जबकि अरविंद का कहना था कि वह जेल जा चुका हैए तो शादी क्यों करेए खासकर जब लड़की नाबालिग है।

पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप

परिवार ने आरोप लगाया कि सड़वा चौकी के पुलिसकर्मी अरविंद को एक हफ्ते पहले घर से उठा ले गए थे और दिनभर चौकी में बिठाए रखा। काफी मिन्नतों के बाद उसे देर रात छोड़ा गया।इसके बाद से ही अरविंद मानसिक रूप से बहुत तनाव में था। परिवार का कहना है कि पुलिस की प्रताड़ना और दबाव ने उसे इस कदम को उठाने के लिए मजबूर कर दिया।मामले की जांच की मांग अरविंद की आत्महत्या से परिवार में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिवार ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया हैए और लोग पुलिस की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। परिवार का कहना है कि अरविंद को न्याय दिलाने के लिए वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे।

आकाश के चयन पर लोगो ने जताया हर्ष

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी के आकाश ने अपने परिश्रम से आकाश की ऊंचाइयों को छू लिया। जिस पर लोगों ने हर्ष जताया है। पट्टी क्षेत्र के प्रसिद्ध चिकित्सक रहे स्वर्गीय प्यारेश्याम त्रिपाठी के पौत्र एवं राजेश त्रिपाठी के पुत्र आकाश का चयन भारत की नवरतन कंपनियों में शुमार नालको में असिस्टेंट मैनेजर के तौर पर हुआ है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा राम नारायण इंटर कालेज जबकि इंटरमीडिएट की शिक्षा राजकीय इंटर कालेज इलाहाबाद से हुई तथा उन्होंने गलगोटिया कालेज ग्रेटर नोएडा से बी टेक एवं मोती लाल नेहरू प्रयागराज से एम टेक की पढ़ाई की है। आकाश को प्रारम्भिक शिक्षा देने वाले विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयन्त शर्मा ने आकाश की उपलब्धि पर प्रसन्नता जाहिर की और शुभकामनाएं दी। आकाश की इस सफलता पर डॉ आनंद त्रिपाठी, आदित्य त्रिपाठी सहित परिवारजनों एवं क्षेत्रीय जनों ने खुशी जाहिर की है।

पुरानी पेंशन व 65 वर्ष की आयु को लेकर डिग्री कालेज के शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

पीबीपीजी कालेज के शिक्षकों ने एकजुट होकर की नारेबाजी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पीबीपीजी कालेज सिटी में एआइफुक्टो के आवाहन पर शिक्षा एवं शिक्षक विरोधी सरकार के नीतियों के खिलाफ शिक्षकों ने गर्मजोशी से विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने कहा कि मांगो के समर्थन में सरकार ने सार्थक निर्णय न लिया तो शिक्षक आंदोलन को बाध्य होंगे।

शिक्षकों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय इकाई के अध्यक्ष प्रो. ब्रम्हानन्द प्रताप सिंह ने शिक्षकों की सेवानिवृत्त की आयु 65 वर्ष किये जाने की बात कही। प्रो. रामराज ने कहा कि स्नातक शिक्षकों

मांगों को लेकर प्रदर्शन करते पीबीपीजी कालेज के शिक्षकगण।

को भी शोध गाइड बनने का समान अवसर दिया जाए। अनुदानित महाविद्यालय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. शिव प्रताप सिंह ने कहा कि अभी तक सरकार ने पांच पीएचडी इंक्रीमेंट शिक्षकों को नहीं दिया। इससे शिक्षक शोध के प्रति हतोत्साहित हो रहे हैं। प्रासुऑक्टा उपाध्यक्ष डॉ. प्रणव ओझा ने कहा कि स्थानांतरण में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए एनओसी की बाध्यता समाप्त की जाय। साथ ही बिना संसोधन पुरानी पेंशन की बहाली होनी चाहिये। डॉ. देवेश सिंह ने कहा कि शिक्षा का बजट 10 फीसदी तक बढ़ाया जाए। नीट, सीयूटी जैसे केंद्रीय परीक्षाएं खत्म की जाएं जिससे ग्रामीण क्षेत्र की शिक्षण संस्थाएं सुरक्षित रहें। प्रासुऑक्टा के वरिष्ठ संयुक्त मंत्री डॉ.अखिलेश मोदनवाल ने शिक्षकों को कैशलेश स्टेट हेल्थ कार्ड दिया जाए। शैक्षणिक अवकाश की तुलना प्रशासनिक छुट्टी से बंद होनी चाहिए। जिससे विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास का पर्याप्त समय मिल सके। डॉ. श्रद्धा श्रीवास्तव ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में अस्थायी शिक्षकों की सेवा शर्तों में परिवर्तन किया जाए। संचालन डॉ. राजीव कुमार सिंह ने किया। इस दौरान रश्मि सिंह, डॉ.वंदना सिंह, डॉ. चेत प्रकाश पांडेय, डॉ. कृष्ण कुमार सिंह, डॉ. राकेश सिंह, नीरज पांडेय, डॉ. नीरज त्रिपाठी, डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी, डॉ. शिव कुमार सिंह आदि रहे।

साइकिल चोरी करके भाग रहे चोर को ग्रामीणों ने दबोचा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बाजार में कोचिंग आए छात्र की साइकिल चोरी करके भाग रहे चोर को ग्रामीणों ने दौड़ा कर पकड लिया मौके पर जुटी भीड़ ने चोर की पिटाई कर दी घटना की सूचना पुलिस को दिया गया मौके पर पहुंची पुलिस पकड़े गए युवक को आसपुर देवसरा थाना ले कर चली गई।

पूरे दलपत शाह गांव निवासी राम हरिजन पुत्र दयाराम हरिजन दयालगंज बाजार में कोचिंग पड़ता है गुरुवार की शाम साइकिल से अपने घर से दयालगंज बाजार कोचिंग पढ़ने के लिए आया था कोचिंग की छुट्टी होने के बाद साइकिल लेकर बाजार में स्थित एक दुकान पर घरेलू सामान की खरीदारी करने लगा तभी वहां पर पहले से मौजूद एक युवक छात्र की साइकिल चोरी कर आसपुर देवसरा बाजार की तरफ भागने लगा छात्र के हल्ला गुहार करने पर ग्रामीणों ने चोर को दौड़ा कर साइकिल के साथ पकड़ लिया मौके पर जुटी भीड़ ने चोर की पिटाई कर कर युवक को आसपुर देवसरा पुलिस के सौप दिया चोर की पहचान धर्मेंद्र सरोज पुत्र लक्ष्मी सरोज निवासी आसपुर के रूप में हुई हैं। दयालगंज बाजार तीन माह में कई साइकल चोरी की घटना घटित हो चुकी हैं दुकानदारों के सक्रियता के चलते साइकिल चोर को रंगे हाथ पकड़ने में कामयाबी पाई।

आसपुर देवसरा थाना अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया युवक मानसिक विक्षित है मामले की जांच की गई तो उसका कोई अपराधिक पुराना रिकॉर्ड पुलिस में नहीं है।

सीडीओ ने मनरेगा के कार्यों का किया निरीक्षण

मजदूरों को काम करने के लिये किया प्रोत्साहित

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। सीडीओ ने बाबा बेलखरनाथ धाम में चल रहे मनरेगा के कार्यों का औचक निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने कार्यो में कार्यरत मजदूरों की जांच की तथा उन्हें मेहनत के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बाबा बेलखरनाथ धाम के ग्राम सभा सिंग्ठी खालसा में सीडीओ दिव्या मिश्रा ने गुरुवार को मनरेगा के कार्यों का औचक निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने गांव में चल रहे बंधा निर्माण में लगे मजदूरों के साथ

मनरेगा कार्यों का निरीक्षण करतीं सीडीओ दिव्या मिश्रा।

हो रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुये कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान देने की बात कही । सीडीओ दिव्या मिश्रा ने कहा कि किसी भी कार्य के प्रति ईमानदारी का होना बहुत जरूरी है जिससे कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ उसमें लगे व्यक्ति की ईमानदारी भी प्रदर्शित होती है। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान भारत सिंह ने सीडीओ दिव्या मिश्रा का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान डीडीओ एस कृष्णा, डीसी मनरेगा अश्विनी सोनकर, बीडीओ बेलखरनाथ धाम राजीव पांडे, वीडीओ मनरेगा राम प्रसाद, एपीओ बृजेश सिंह, जेई रविंद्र कुमार उपाध्याय व सचिव धीरेंद्र गौतम मौजूद रहे।

बीएसए ने प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक व शिक्षामित्र का वेतन रोका

प्रतापगढ़। विकास खण्ड लक्ष्मणपुर के प्रा0वि0 डांडी में बिना सूचना विद्यालय से अनुपस्थित रहने पर प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक व शिक्षामित्र को बीएसए ने कारण बताओ नोटिस जारी की है। बता दें कि उक्त विद्यालय में प्रतीश कुमार शुक्ल प्र0अ0, अनुपमा सिंह स0अ0, नियामत अली स0अ0 व जान्हवी देवी शि0मि0 शुक्रवार की सुबह 9.41 बजे तक अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित रहने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर बीएसए भूपेन्द्र सिंह ने इसे संज्ञान में लेते हुए चारों से कारण बताओ नोटिस मांगा है और वेतन आहरण पर अग्रिम आदेश तक रोक लगा दी है।

उप शिक्षा निदेशक ने इंटर कालेजों का किया निरीक्षण

पठन-पाठन, शिक्षक डायरी दुरुस्त होने पर जताई खुशी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उप शिक्षा निदेशक, प्रयागराज मंडल आर्यन विश्वकर्मा ने जिले का औचक निरीक्षण किया जिसमें राजकीय इंटर कॉलेज प्रतापगढ़, पीबी इंटर कॉलेज सिटी प्रतापगढ़ रहा। सभी विद्यालय में सब कुछ व्यवस्थित पाया गया। निरीक्षण में विभिन्न कक्षाओं में पठन-पाठन, शिक्षक डायरी, एवं अन्य महत्वपूर्ण कागजातों की चेकिंग की गई।

उप शिक्षा निदेशक ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर छात्रों/छात्राओं से उनसे विषय संबंधित प्रश्न किया

इंटर कालेज का निरीक्षण करते उप शिक्षा निदेशक आर्यन विश्वकर्मा।

जिसका छात्रों/छात्राओं ने समुचित सही जवाब दिया है, जिसे सुनकर वह प्रसन्न हुए। उन्होंने जनपद में प्रोजेक्ट अलंकार की भी समीक्षा प्रधानाचार्यो की साथ की। उन्होंने ऑनलाइन मॉनिटरिंग व्यवस्था, एवं डिस्पले पैनल के माध्यम से भी विभिन्न विद्यालयों की कक्षाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण में शासन एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की मंशा के अनुरूप पठन पाठन, शिक्षक डायरी, शैक्षिक एवं अनुशासनात्मक वातावरण, और छात्रों की संख्या, विद्यालय की व्यवस्थित ढंग से, शैक्षणिक एवं अनुशासनात्मक वातावरण में सुचारू रूप से शिक्षण कार्य देखकर उप शिक्षा निदेशक खुश हुए और उन्होंने जनपद के माध्यमिक शिक्षा विभाग के संरक्षक ओमकार राणा, जिला विद्यालय निरीक्षक व आर पी सरोज सह जिला विद्यालय निरीक्षक के कुशल नेतृत्व, एवम सभी विद्यालयों की प्रशंसा की। निरीक्षण के अवसर पर कुलश्रेष्ठ तिवारी, बृजेश मिश्रा, नुसरत अली, संतोष मिश्रा, डॉ अनूप सिंह, डॉ मोहम्मद अनीस उप प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, रंजन प्रताप, डीसी समग्र शिक्षा माध्यमिक प्रतापगढ़, अशोक कुमार, डा राजेंद्र कुमार, राम प्रताप, अशोक कुमार, स्टेनो आशीष कुमार एवम डीपी यादव उपस्थित रहे।

करंट की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

चारा मशीन में करंट उतरने से हुई घटना

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। चारा मशीन में करंट उतरने से रिटायर विद्युत कर्मी की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। इलाज के लिए सीएचसी लेकर आए। जहां पर गंभीर हालत के चलते चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। ले जाते समय रास्ते में अधेड़ की मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के महोखरी गांव के रहने वाले गिरिजापति (60) वर्ष सुबह पशुओं के लिए चार की बलाई कर रहा था। इस दौरान चारा मशीन में करंट का प्रवाह था जिसकी चपेट में आने से रिटायर विद्युत कर्मी गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे आनन-फानन में इलाज के लिए सीएचसी पट्टी लेकर आए। जहां से गंभीर हालत के चलते चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। ले जाते समय रास्ते में ही दीवानगंज बाजार के पास उसकी सांसे थम गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वही अधेड़ के दो पुत्र हैं जितेंद्र यादव व सुरेंद्र यादव और दो बेटियां हैं सभी की शादी हो चुकी है। अधेड़ की मौत से गांव में मातम छाया हुआ है।

नगर पालिका की टीम ने स्कूली बच्चों को स्वच्छता के लिये किया जागरुक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। स्वच्छता ही सेवा है पखवारा के अन्तर्गत नगर पालिका ने शुक्रवार को तहसील वार्ड के समरफील्ड स्कूल में बच्चों व शिक्षकों को स्वच्छता की शपथ दिलाने के बाद सूखा व गीला कूड़े को नीले व हरे रंग में डालने की परिचर्चा की। उसके बाद मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया तथा बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

नगर पालिका की टीम ने बच्चों को बताया कि खाना खाने के पहले और शौच जाने के बाद

बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलाते नगर पालिका के अधिकारी व कर्मचारी।

साबुन से ठीक से हाथ धोने से सारे कीटाणु मर जाते हैं। सफाई से ही बच्चे, अभिभावक व शिक्षक निरोग रह सकते हैं। बच्चों को पूरी बाँह की शर्ट पहनने तथा मच्छरदानी में सोने से मच्छरों व कीटाणुओं से बचा जा सकता है। तहसील वार्ड के ही अटल पार्क में नगर पालिका के कर्मचारियों ने वृक्षारोपण भी किया। इस बारे में सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिका के 50 कर्मचारी टीशर्ट और टोपी पहनकर प्रतिदिन सुबह से शाम तक स्वच्छता का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। बताया गया है कि 26 सितम्बर से दो अक्टूबर तक 155 घंटे लगातार सफाई करने का महाअभियान चलाया जाएगा। इसके लिये रोज दिन रात 24 घंटे सफाई की जाएगी। आज के अभियान में जल कल अभियंता सभाजीत यादव, आरआई राजेश बिंद, सफाई प्रभारी अजीत कुमार सरोज व सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह मौजूद रहे।

दबंगों ने घर में घुसकर किशोरी को मारपीट कर किया घायल

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के किसुंदासपुर संग्रामपुर निवासी पीड़ित प्रार्थनी नीतू यादव ने नवाबगंज पुलिस को दिए गए तहरीर में शिकायत किया गुरुवार की सुबह लगभग साढ़े दस बजे अपनी छोटी बहन रीतू यादव के साथ घर पर थी कि अचानक गांव के तीन लोग बिना कुछ कहे मेरी बहन रीतू को लाठी डंडा से मारने पीटने लगे। रीतू को बचाने के विरोध करने पर मुझे भी मारने पीटने लगे जिससे मेरी बहन रीतू के सिर से खून बहने लगा शोर मचाने पर आस पास के लोग दौड़ करआ गए जिससे हम लोगो की जान बच गई। ग्रामीणों के आने पर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पीड़ित परिवार का आरोप है कि नवाबगंज थाने में आरोपियों का सगा रिश्तेदार चैकीदार है जो गांव में अपना रौब दिखाता है उसी की सह पर आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट किया। पीड़िता की तहरीर पर नवाबगंज पुलिस ने उक्त तीनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत, मासूम समेत तीन घायल

आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बाइक की चपेट में आने से दो परिवार के चार लोग घायल हो गये। गंभीर रूप से घायल एक युवक की अस्पताल पहुंचने चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। उधर युवक की मौत को लेकर शुक्रवार की सुबह आक्रोशित लोगों ने जाम लगा दिया। सीओ के समझाने पर लोग किसी तरह माने। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के पूरे नरायनदास शिताली का पुरवा गांव निवासी रामदेव वर्मा का पुत्र सोनू (18) अपनी बहन सीता (23) तथा गांव की सोना देवी (23) पत्नी शिवकुमार वर्मा के साथ रात करीब साढ़े नौ बजे दरवाजे से गुजरी सड़क किनारे बैठकर आपस में बातें कर रहा था। सोना देवी गोद में अपनी दो वर्षीया मासूम पुत्री रेनू को भी लिये थी। इसी बीच अचानक तेज गति से पहुंची बाइक ने तीनों को जोरदार टक्कर मार दिया। चीखपुकार सुनकर परिवार व गांव के लोग दौड़े और आननफानन में घायलों को लेकर सांगीपुर सीएचसी पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल सोनू को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। इधर अन्य तीनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालत में सुधार न होने पर तीनों को मेडिकल कालेज प्रयागराज में भर्ती कराया गया है। इधर युवक की मौत के बाद परिवार के लोग शव लेकर घर चले आये। अगले दिन शुक्रवार सुबह बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा व उसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने सांगीपुर किठावर मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। सीओ रामसूरत सोनकर के समझाने पर लोग किसी तरह माने और डेढ़ घंटे बाद पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। एसओ मनीष तिवारी का कहना है कि मृतक के पिता रामदेव की तहरीर पर बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

पट्टी, प्रतापगढ़। अपने घर बाइक लेकर पट्टी कस्बा रहे शिवनारायण यादव गंभीर रूप से घायल पुलिस की मदद से घायल को सामुदायिक केंद्र अमरगढ़ लेकर जाया गया जहां पर घायल की स्थिति नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर किया गया। शिवनारायण यादव उम्र (45) वर्ष पुत्र रामपाल यादव निवासी अहिल्यही थाना आसपुर देवसरा शुक्रवार की दोपहर दो बजे के करीब अपने घर से बाइक से पट्टी किसी काम से जा रहा था दयालगंज बाजार के आगे पांचो तारा मोड़ के पास पट्टी की तरफ से आ रहे कार सवार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी टक्कर लगने के कारण बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो सड़क पर गिर गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को कब्जे में लेते हुए घायल को सामुदायिक केंद्र अमरगढ़ भेज दिया।

डिग्री कालेज कालाकाँकर में स्वच्छता ही सेवा का मेगा इवेंट मनाया गया

तीनों ईकाई के कार्यक्रम अधिकारी व स्वयं सेवकों ने भाग लिया

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर के मदन मोहन मालवीय पीजी कालेज कालाकांकर में शुक्रवार को स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत मेगा इवेंट का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर के अन्तर्गत नवीन छात्रावास में विभिन्न फलदार पौधारोपण के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रो. राजेन्द्र सिंह

महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण मरतीं डीन शिक्षा संकाय प्रो विनीता सिंह।

(रज्जू भय्या)विवि की डीन शिक्षा संकाय प्रो. विनीता सिंह, डीन वाणिज्य संकाय प्रो. उग्रसेन सिंह, तथा प्रो.रेखा सिंह, प्रो. रामकरन एवं डॉ डालचन्द आनन्द आदि आचार्यगण उपस्थित रहे। तदुपरान्त स्वयंसेवकों को स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत स्वच्छता शपथ दिलाई गयी। इसके बाद तीनों इकाईयों के कार्यक्रमाधिकारियों क्रमशः सर्वेश कुमार सिंह, भूपेश प्रताप सिंह तथा डॉ. सृष्टि कुशवाहा के नेतृत्व में राष्ट्रीयस्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर के एक हिस्से को पॉलीथीन मुक्त करने का अभियान चलाया गया । इस क्रम में छात्र छात्राओं द्वारा लगभग 4 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक का निस्तारण किया गया।

अग्नि नियंत्रण को लेकर दी गई जागरूकता, हुई संगोष्ठी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को रामपुर दाबी स्थित शिवमंगल इण्टर कालेज में अग्निशमन तथा आपात सेवा विभाग द्वारा ड्रिल कराया गया।

प्रभारी अग्निशमन अधिकारी अतुल त्रिपाठी ने छात्र छात्राओं को अग्नि सुरक्षा को लेकर फायर ड्रिल तथा मॉक ड्रिल व निष्क्रमण योजना ड्रिल कराकर जागरूक किया। वहीं विद्यालय में हुई जागरूकता संगोष्ठी में गर्मी के मौसम में लगने वाली आग के कारणों व उसके बचाव को लेकर भी अग्निशमन अधिकारी ने जानकारियां दी। अग्नि सुरक्षा विषय पर गोष्ठी में अग्नि नियंत्रण की योजना पर सार्थक परिचर्चा हुई। छात्र छात्राओं को कार्यक्रम के दौरान एलपीजी सिलेण्डर में आग लगने पर प्रायोगिक विधियों के साथ तकनीकी विधि द्वारा आग बुझाने का अभ्यास कराया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रबन्धक नन्हें लाल यादव ने आकस्मिक आगजनी से नुकसान को बचाने के लिए कार्यक्रम को सराहा। संयोजन प्रधानाचार्य नत्थी लाल ने किया। इस मौके पर फायरमैन अमित सिंह, अतुल पाण्डेय, अजय सिंह यादव, अनिल यादव, राजकुमारी पटेल, निर्भय सिंह यादव, गीता देवी पटेल, आरती मौर्या आदि रहे।

मकान निर्माण का विरोध करने की हुई शिकायत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। पुश्तैनी जमीन पर मकान निर्माण का विरोध करने को लेकर पीडित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। लालगंज कोतवाली के देवापुर चैखड़ गांव निवासी केदारनाथ वर्मा पुत्र स्व0 रामदुलारे वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उन्नीस सितंबर को उसने अपने पैतृक कच्चे मकान को गिराकर इसी जगह नये पक्के मकान का निर्माण शुरू कराया है। आरोप है कि पडोसी जबरन वहां मकान बनाने से मना कर रहे हैं। विरोध करने पर आरोपी जानलेवा धमकी दे रहे हैं। पीडित ने मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की मोटर के साथ दो अभियुक्त धराए

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज पुलिस ने लगभग चार दिन पूर्व थाना क्षेत्र के मद्दू पुर गांव में खेत में सिंचाई के लिए लगा पानी की मोटर अज्ञात चोर खोल ले गए जिसकी तहरीर हिनाहु गांव निवासी सुरेश यादव ने पुलिस को दी पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए मामले की जांच पड़ताल में लगी हुई थी कि मुखबिर ने सूचना दी की चोरी हुई मोटर गांव में आरोपी के घर में रखी है जानकारी मिलते आनन फानन में नवाबगंज थाना प्रभारी धीरेंद्र ठाकुर अपने स्टाफ के साथ आरोपी के घर पहुंचे और दोनो आरोपी को दबोच लिया और पानी मोटर भी निशान देही पर बरामद कर थाने ले आई पकड़े गए अभियुक्त ने पुलिस के पूछने पर अपना नाम अंकित पुत्र लालू व राजेश पुत्र बंशीलाल निवासीगण बखीराबाद मद्दुपुर थाना नवाबगंज प्रतापगढ़ बताया पकड़े गए दोनो आरोपियों की लिखा पढ़ी करके न्यायालय भेज दिया। इन दिनों नवाबगंज पुलिस की ताबड़तोड़ कारवाई से अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

शिक्षिका से छेड़खानी के चक्कर में दरोगा जी गए जेल

महिला टैंपो में से आ रही थी लालगंज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। टेंपो से लालगंज आ रही शिक्षिका के साथ एक वर्दीधारी दरोगा ने सफर के दौरान छेड़छाड़ करने लगा।

विरोध करने पर धमकाया कि कहीं बताया तो थाने में बंद करके खाल-खींच लूंगा। मामला एसपी के संज्ञान में आते ही आरोपित दारोगा को हिरासत में लेते हुए उस पर केस दर्ज करके निलंबित करने के बाद जेल भेज दिया। अंतू थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला शिक्षिका लालगंज के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाती है। गुरुवार को वह बेटी के साथ टैंपो से नवाबगंज से लालगंज आ रही थी। महिला को देख एक वर्दीधारी दारोगा राम केवल की नजर बदनीयती में बदल गई और वह भी उसी टेंपो पर आकर शिक्षिका के बगल में बैठ गया।

वर्दीधारी उसे परेशान करते हुए छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर कहा कि वह जहां भी रहेगी, उसे ढूंढ लेगा और उसकी इज्जत से खेलेगा। दारोगा जी कुंडा सर्किल के नवाबगंज थाने में तैनात है। इतना ही नहीं दारोगा ने महिला को अपनी तरफ खींचने का भी प्रयास किया। बेटी ने विरोध किया तो उसे भी धमकाया और चुप रहने को कहा।

अपनी वर्दी व आइ कार्ड दिखाते हुए शिक्षिका से कहा कि वह उसे रानी बनाकर अपने साथ ले जाएगा। लगातार उसकी हरकतों का विरोध करते हुए किसी तरह शिक्षिका अपनी आबरू बचाते हुए लालगंज पहुंची। शिक्षिका सीधे कोतवाली जाकर तहरीर देकर

दरोगा जी की नजर फिसलने पर उसके बगल बैठे

दरोगा पर गंभीर आरोप लगाई। दारोगा की इस हरकत का पता एसपी डा.अनिल कुमार को लगा तो उन्होंने उसका मेडिकल करवाया। रिपोर्ट में वह नशे में पाया गया। इसके बाद उस पर मुकदमा दर्ज करके हिरासत में लेने का आदेश दिया। शुक्रवार को एसपी ने बताया कि आरोपित राम केवल दारोगा को सस्पेंड कर जेल भेज दिया गया। जांच सीओ स्तर से कराने को कहा गया है।

सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित योजनाओं इंडीकेटर्स के प्रगति की डीएम ने की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में शुक्रवार को उदयन सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभागवार योजनाओं इंडीकेटर्स की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी विभागों से सम्बन्धित होने कराये जाने वाले कार्यों-सीटी स्कैन, मध्यान्ह भोजन, शादी अनुदान, सेतु निर्माण, ओडीओपी, पारिवारिक लाभ योजना, निर्माण कार्य आदि योजनाओं की सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित योजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की। विभागवार योजनाओं/ इंडीकेटर्स की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को अपने-अपने विभागीय इंडीकेटर्स में शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दियें, जिससे इंडीकेटर्स ए या बी श्रेणी में रहें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अगली बैठक में यदि किसी भी विभागवार योजनाओं/इंडीकेटर्स की रैंकिंग ई-श्रेणी में आती है तो सम्बन्धित अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जायेंगी, जिससे सभी विभाग अपने-अपने विभाग की रैंकिंग में सुधार अवश्य लायें। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन विभागों की रैंकिंग डी-श्रेणी है वो सी में एवं जिनकी सी है वो बी-श्रेणी में लाने का प्रयास करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजय कुमार, सीएमएस डॉ सुनील शुक्ला एवं जिला अर्थ व संख्याधिकारी अजीत प्रताप सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जनपद न्यायालय परिसर में कैंटीन की नीलामी 30 सितंबर को

कौशाम्बी। जनपद न्यायालय, कौशांबी परिसर में स्थित एलाइड भवनों में दो कैंटीन की नीलामी दिनांक 30.9.2024 को अपराह्न 1:30 बजे पूर्ववत नियम एवं शर्तो के अनुसार इस न्यायिक अधिष्ठान के सभागार में की जाएगी। नीलामी हेतु आवेदन पत्र 20.09.2024 से दिनांक 30.09.2024 (नीलामी के पूर्व) तक की किसी भी कार्य दिवस में नजारत अनुभाग, जनपद न्यायालय, कौशांबी से निशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। नीलामी प्रक्रिया की नियम एवं शर्तें उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की आधिकारिक वेबसाइट एवं जनपद न्यायालय, कौशांबी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त नीलामी से संबंधित अन्य विवरण न्यायालय के सूचना से किसी भी कार्य दिवस को प्राप्त किया जा सकते हैं। यह जानकारी अध्यक्ष, नीलामी समिति अपर जिला जज-प्रथम, जनपद न्यायालय, कौशांबी ने दी है।

भवंस मेहता महाविद्यालय में राजभाषा हिंदी सप्ताह पर कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

भरवारी कौशाम्बी भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी में राजभाषा हिंदी सप्ताह 2024 के तहत कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कविता पाठ प्रतियोगिता में एम ए.प्रथम वर्ष की छात्रा शोभा पाल प्रथम बी.एस.सी. प्रथम वर्ष के छात्र कृष्णमूर्ति सिंह द्वितीय और बी .ए. प्रथम वर्ष के छात्र सुधांशु द्विवेदी तृतीय स्थान पर रहे। महाविद्यालय में राजभाषा हिंदी सप्ताह 2024 के तहत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। दिनांक 18 सितंबर , 2024 को महाविद्यालय में कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। राजभाषा प्रश्नोत्तरी में बुक लिफ्टर चंद्रेश पटेल प्रथम लिपिक विश्वकांत चौरसिया द्वितीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गौरव शुक्ला को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। दिनांक 19 सितंबर को आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में बी ए द्वितीय वर्ष की छात्रा आकांक्षा शुक्ला प्रथम बी ए द्वितीय वर्ष की छात्रा खुशी द्वितीय और बी ए प्रथम वर्ष के छात्र अनमोल पाठक तृतीय स्थान पर रहे। कविता पाठ प्रतियोगिता के उपरांत हिंदी के प्राध्यापक डॉ. सी. पी. श्रीवास्तव ने कहा की छात्र-छात्राओं को केवल राजभाषा सप्ताह या पखवाड़ा के दौरान ही नहीं वरन पूरे जीवन भर अपनी राजभाषा हिंदी के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए और जीवन के हर क्षेत्र में अपनाना चाहिए । हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर विवेक कुमार त्रिपाठी ने कहा हमें राजभाषा को महत्व देना चाहिए और इसे अपने कामकाज की भाषा बनानी चाहिए। अर्थशास्त्र के प्राध्यापक डॉ राहुल राय ने कहा कि हमारे मन में हिंदी के प्रति प्रेम होना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रबोध श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा की हिंदी भारत के जन-जन की भाषा है और इस भाषा का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। इस आयोजन में महाविद्यालय के प्रो. सतीश चंद्र तिवारी , प्रो. श्वेता यादव, प्रो.योगेश मिश्रा , प्रो. पंकज कुमार, डॉ. मोहम्मद आदिल, डॉ.धर्मेंद्र कुमार अग्रहरी, डॉ.महेंद्र उपाध्याय, डॉ अनुज तिवारी ,डॉ. दीपक कुमार ,डॉ मनीष कुमार आदि उपस्थित रहे।

जीवन में खेल के बिना कुछ भी नहीं : सुधाकर सिंह

भरवारी कौशाम्बी खेल शिक्षक सुधाकर सिंह भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी ने कहा कि खेल ही जीवन है यह कहावत चरितार्थ है बच्चा पैदा होते ही हाथ-पैर चलाना सीखता है फिर मां ही पहली शिक्षका होती है जो अपने बच्चे को सभी विद्यायें सिखाना शुरू कर देती है जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है तब खेल गुरु के पास पहुंचता है खेल शिक्षक फिर अलग -अलग खेल के बारे में जानकारी देना शुरू कर्ता है और अंत में वह एक अच्छा खिलाड़ी बन पाता है। उन्होंने कहा कि अब बात आती है खेल शिक्षक की तो 90 प्रतिशत स्कूल इस समय ऐसे हैं जहां खेल शिक्षक है ही नहीं जहां नहीं हैं खेल शिक्षक वहां का अनुशासन एकदम गर्त में है खेलने से बच्चों में जो तरह -तरह की अनुचित जैसे गुटखा, तम्बाकू, सिगरेट, शराब एवं सबसे बड़ा रोग मोबाइल का जागृति हुआ है यह बड़ा भयानक व्यभिचार जो हमारी नई पीढ़ी को बर्बाद कर रहा है उससे निकल पाना बहुत ही मुश्किल हो गया है इससे हर मां बाप इस समय परेशान है इसका मुख्य कारण बच्चों को खेल से दूर करना स्कूल कालेजों में खेल शिक्षकों की नियुक्ती न होना ये सबसे बड़ा कारण है सरकार तो दोषी है ही मां बाप भी दोषी हैं जो अपने बच्चों को खेलने के बजाए मोबाइल फोन देकर गलत राह की तरफ ढकेल रहे हैं सबसे बड़ा दोष मां है जो बच्चे की पहली शिक्षका है जब वह ही मोबाइल देखने में लिप्त है और पहला काम मां कर रही है बच्चे को मोबाइल देकर ,अपना मानना है अगर बच्चे को खाली समय में खेल की तरफ जाने को उत्साहित करें तो बच्चे का शारीरिक विकास के साथ- साथ मानसिक विकास भी होगा अच्छी सोच जागृति होगी।

पूर्व में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण प्रकरणों का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय-अड़हरा, छोगरिया का पूरा एवं ऑगनबाड़ी केन्द्र अड़हरा किया औचक निरीक्षण

कौशाम्बी। तहसील मंझनपुर के राजस्व ग्राम-करारी के शिकायतकर्ता ऐहसान हैदर पुत्र रियाजुल अब्बार निवासी-चमनगंज करारी द्वारा दिनांक 22.07.2024 को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपनी संक्रमणीय भूमि को विपक्षीगणों के कब्जे से मुक्त कराने एवं कब्जा दिलाये जाने के सम्बन्ध में शिकायत की गई थी, जिसका निस्तारण राजस्व टीम एवं पुलिस की उपस्थिति में आपसी समझौते के आधार पर भूमि को पक्षों के मध्य बॉटकर सहमति के आधार पर समस्या का निस्तारण कर दिया गया था, जिसका स्थलीय भौतिक सत्यापन जिलाधिकारी श्री मधुसूदन हुल्गी द्वारा स्वयं करने पर शिकायतकर्ता व पक्षों द्वारा समस्या के निराकरण हो जाने के सम्बन्ध में जानकारी दी गई कि अब किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं हैं। शिकायतकर्ता राजेन्द्र कुमार साहू पुत्र नागेन्द्र कुमार साहू निवासी-छोगरिया का पुरवा तहसील मंझनपुर के द्वारा ग्राम-बधवां रजवर को अवैध अतिक्रमण मुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में शिकायत की गई थी, जिसका निस्तारण पूर्व में राजस्व एवं पुलिस टीम मंझनपुर द्वारा सरकारी भूमि को अवैध कब्जामुक्त करा दिया गया था, जिसका जिलाधिकारी द्वारा स्थलीय निरीक्षण करने पर शिकायतकर्ता निस्तारण से पूर्ण संतुष्ट है। जिलाधिकारी द्वारा किये गये निस्तारणों का स्थलीय निरीक्षण करने पर संतोषजनक फीडबैक दिया गया। इस अवसर उप जिलाधिकारी मंझनपुर श्री आकाश सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय अड़हरा, प्राथमिक विद्यालय छोगरिया का पूरा एवं ऑगनबाड़ी केन्द्र अड़हरा किया औचक निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति संतोषजनक पायी गई। पठन-पाठन सही पाया गया एवं डिजिटल उपस्थिति भी दर्ज थी।इस अवसर उप जिलाधिकारी मंझनपुर आकाश सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

महिलाओं को डरा धमकाकर चल रहा है निर्माण

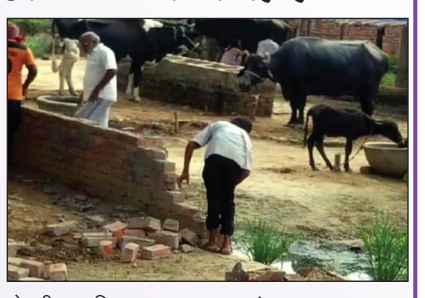

कोखराज कौशाम्बी कोखराज थाना क्षेत्र के राला ग्राम सभा में सलीम के बने दीवार को शुक्रवार को जबरन गिरा दिया गया जबकि कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद भी हल्का दरोगा के चलते विपक्षीगण द्वारा विना राजस्व के आदेश के दीवाल गिरा कर जबरन खड़ंजा लगाया जा रहा है अंधेर तो तब हो गई है जब कोर्ट के आदेश को पुलिस के हल्का दरोगा नही मानते हैं पीड़ित परिवार द्वारा कई बार लिखित शिकायत दर्ज कराने के बाद भी जबरिया निर्माण पर रोक नहीं लगी है बल्कि शिकायतकर्ता को फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी दी जा रही है फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी और पुलिस के नाजायज दबाव से भयभीत पिता पुत्र घर पर नही हैं पिता पुत्र के घर छोड़कर चले जाने के बाद घर पर केवल महिलाएं मौजूद है और महिलाओं को डरा धमकाकर निर्माण चल रहा है जबकि मामले में अदालत में मुकदमा विचारथीन है और अदालत के मुकदमा विचाराधीन होने के बाद भी जबरिया निर्माण किया जा रहा है

छात्र छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक को किया गया एकत्रित

कौशाम्बी महामाया राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं अन्य छात्र-छात्राओं द्वारा भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के आदेश के क्रम में दिनांक 20 सितम्बर को स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक को एकत्र एवं निस्तारण करने के क्रम में शुक्रवार को महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों से सिंगल यूज प्लास्टिक की सफाई का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ0 शैलेन्द्र तिवारी प्राचार्य, महामाया राजकीय महाविद्यालय एवं मुख्य अतिथि चयनित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अशोक मौर्या के द्वारा की गई सर्वप्रथम छात्र छात्राओं को स्वच्छता सम्बन्धी शपथ दिलायी गयी। छात्र -छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सिंगल यूज प्लास्टिक को एकत्रित किया गया इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सौ स्वयंसेवक स्वयंसेविकाओ ने भाग लिया।इस अवसर पर डॉ0 अनिल कुमार सोनकर डॉ0 अनिल कुमार, डा0 अजय कुमार डॉ0 नीलम बाजपेई डॉ0 भावना केसरवानी,डॉ0 तरित अग्रवाल, डॉ0 रमेश चंद्र डॉ0 आनन्द कुमार अजय कुमार वरिष्ठ लिपिक मानवेंद्र आदि ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान किया

रोजगार मेले का आयोजन 21 सितम्बर को

कौशाम्बी जिला सेवायोजन, राजकीय आईटीआई एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार प्रदान करने के लिए दिनांक-21 सितम्बर 2024 को राजकीय आईटीआई0 मंझनपुर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा।यह जानकारी जिला सेवायोजन अधिकारी गौतम घोष ने देते हुए बताया कि रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां के माध्यम से आईटीआई नॉनआईटीआई एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण सभी प्रकार के अभ्यर्थियों के चयन की कार्यवाही की जायेगी। इच्छुक अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट पर अपना पंजीयन करते हुए अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति रिज्यूम के साथ प्रातः 10.30 बजे प्रतिभाग कर सकतें हैं

मंडी सचिव ने पकड़ा टमाटर लदा ट्रक

कौशांबी महाराष्ट्र से टमाटर लेकर आ रहे एक ट्रक को मंडी सचिव भरवारी ने पकड़ लिया है बताया जाता है की इस ट्रक चालक ने मंडी शुल्क नहीं अदा किया था मंडी सचल दल भरवारी प्रभारी द्वारा एक ट्रक टमाटर को पकड़े जाने के बाद मंडी शुल्क से सम्बंधित कागज मांगने पर ड्राइवर मंडी से संबंधित कोई भी कागजात नहीं दिखा सका तो मंडी सचिव भरवारी ने कोखराज थाने में टमाटर लदे ट्रक को खड़ा कर दिया है कुछ नेता थाना कोखराज पहुंचकर टमाटर की गाड़ी छोड़ने का दबाव मंडी सचिव पर बना रहे हैं लेकिन मंडी शुल्क चोरी के इस मामले में सचिव टमाटर के ट्रक को छोड़ने को तैयार नहीं है जिसके चलते कोखराज थाने में कथित नेताओं का जमावड़ा लगा है

कार्य में लापारवाही बरतने पर हेड कांस्टेबल लाइन हाजिर

महगाव कौशाम्बी संदीपन घाट थाने में तैनात हेड कांस्टेबल ललित बहादुर को कार्य में लापारवाही बरतने पर पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है कोइलहा गांव की नई बस्ती का मामले मे सिपाही ने लापरवाही की थी जिसकी शिकायत होने पर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी ने हेड कांस्टेबल ललित बहादुर को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है

विद्युत करंट की चपेट में आया लाइनमैन झुलसा

कौशांबी पुरखास पावर हाउस में कार्यरत विद्युत कर्मचारी अजय कुमार बिजली की लाइन ठीक करते वक्त 11 हजार के करंट के चपेट में आ गया जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया है विद्युत कर्मी के झूलसने के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने विद्युत कर्मी को इलाज के लिए सीएचसी सरायअकील में भर्ती कराया लेकिन डॉक्टरों के मौजूद ना होने से विद्युत कर्मी को इलाहाबाद अस्पताल स्वास्थ्य कर्मियों ने रिफर कर दिया है मामले की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग भी पहुंच गए हैं इसके पहले भी कई विद्युत कर्मी लाइन ठीक करते वक्त झूलस चुके हैं

आरपीएफ के स्थापना दिवस पर मिष्ठान वितरण

कोखराज कौशाम्बी आरपीएफ के 39 वें स्थापना दिवस पर भरवारी स्टेशन पर मिष्ठान वितरण किया गया। इस दौरान यातायात निरीक्षक ,स्टेशन अधीक्षक ,चौकी प्रभारी सुरेंद्र पासवान व अन्य आरपीएफ जवान वा रेल यात्री उपस्थित रहे।

प्लास्टिक प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है : प्राचार्य

भरवारी कौशाम्बी। भवन्स मेहता महाविद्यालय भरवारी में 20 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ₹स्वच्छता ही सेवा अभियान के तत्वावधान में मेगा इवेंट का आयोजन किया गया। इस मेगा इवेंट में सुबह सभी स्वयंसेवकों ने स्वच्छता शपथ लेते हुए पर्यावरण को स्वच्छ बनाने और अपने आस पास के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की प्रतिज्ञा ली। इसके उपरांत पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रबोध श्रीवास्तव ने बोलते हुए कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है. हर दिन, दुनिया के महासागरों, नदियों, और झीलों में 2,000 ट्रकों के बराबर प्लास्टिक कचरा फेंका जाता है।प्लास्टिक प्रदूषण से वन्यजीवों पर बुरा असर पड़ता है. 700 से ज्यादा प्रजातियां, जैसे समुद्री कछुए, मछलियां, और व्हेल, प्लास्टिक खाती हैं या उसमें उलझ जाती हैं। प्लास्टिक के पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक, और स्वास्थ्य जोखिम हैं. प्लास्टिक में पाए जाने वाले विषैले रासायनिक योजक और प्रदूषक मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा हैं।इसके उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ०धर्मेन्द्र कुमार अग्रहरि ने स्वयंसेवकों को संबंधित करते हुए प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण बनाने का आह्वान किया। इसके उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना के सह कार्यक्रम प्रभारी डॉ०मो० आदिल ने स्वयंसेवकों को प्लास्टिक कचरे की रीसाइक्लिंग के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए सफाई अभियान चलाया गया।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो० विवेक कुमार त्रिपाठी, प्रो० विमलेश कुमार सिंह यादव, प्रो०अरूण कुमार सिंह, प्रो०सतीश चंद्र तिवारी, डॉ० राहुल, डॉ० दीपक, विश्वकान्त चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

थानाध्यक्ष पश्चिम शरीरा लाइन हाजिर सिपाही निलंबित

कौशाम्बी वसूली की बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद एसपी ने थानाध्यक्ष पश्चिम शरीरा आशुतोष सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है एसपी की कार्यवाही से पुलिस महकमे में हड़कंप मच है पुलिस अधीक्षक के पीआरओ रहे उप निरीक्षक त्रिलोकी नाथ पांडे थाना अध्यक्ष पश्चिम शरीरा बनाए गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वसूली की बातचीत के ऑडियो को संज्ञान लेकर थाना पश्चिम शरीरा पर नियुक्त आरक्षी जितेन्द्र सिंह चौधरी को तत्काल प्रभाव से पुलिस अधीक्षक द्वारा निलम्बित कर दिया गया है तथा प्रकरण में थानाध्यक्ष पश्चिम शरीरा के विरुद्ध प्रारम्भिक जांच क्षेत्राधिकारी मंझनपुर को करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

फूलपुर चुनाव को लेकर कांग्रेस नेताओं ने लिए महत्वपूर्ण निर्णय

कौशाम्बी फूलपुर उपचुनाव को लेकर कांग्रेस नेताओं ने एक आकस्मिक बैठक रानी लक्ष्मीबाई फूलपुर वार्ड के मंडल अध्यक्ष मुलायम विद्रोही के यहां बुलाई बैठक का नेतृत्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व प्रयागराज मंडल के प्रभारी राजेश तिवारी ने किया जिसमें फूलपुर उपचुनाव की तैयारी को लेकर मंडल अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष व ब्लॉक प्रभारी की आवश्यक बैठक हुई । फूलपुर उप चुनाव के मंडल प्रभारी कौशांबी जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय एवं सह प्रभारी कौशांबी जिला के पूर्व जिला अध्यक्ष तलत अजीम मंडल प्रभार क्षेत्र में बैठक में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए फूलपुर उप चुनाव में कांग्रेस पार्टी बड़ी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है ! फूलपुर चुनाव मेड़ाव वार्ड की बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष मकसूद खान, प्रदेश सचिव राजेश साहनी प्रदेश सचिव को प्रभारी प्रयागराज मोहम्मद ईमारान , गंगापार जिलाध्यक्ष सुरेश यादव, राजेश राकेश, उदय यादव, दीपक पाण्डेय "बाबू जी", मनोज पासी , सिद्धार्थ मौर्य, एवं फूलपुर चुनाव के नया पंचायत अध्यक्ष होगा ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित रहे।

क्रय केन्द्रों पर 01 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक की जायेंगी बाजरा की खरीद सरकारी

कौशाम्बी अपर जिलाधिकारी (वि0/ रा0)/ जिला खरीद अधिकारी अरूण कुमार गोंड ने अगवत कराया है कि मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत 01 अक्टूबर 2024 से बाजरा की खरीद सरकारी क्रय केन्द्रों पर प्रारम्भ होकर 31 दिसम्बर 2024 तक चलेंगी। बाजरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य रू0-2625 प्रति कु0 निर्धारित है। विकास खण्ड मंझनपुर, कड़ा, सिराथू, मूरतगंज, कौशाम्बी, सरसवॉ एवं नेवादा में खाद्य विभाग द्वारा कुल 07 बाजरा क्रय केन्द्र खोले गये हैं। बाजरा की बिक्री के लिए किसानों को खाद्य विभाग के पोर्टल अथवा मोबाइल ऐप पर पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण /नवीनीकरण ओटीपी आधारित हैं। कृषकों द्वारा पंजीकरण प्रपत्र में दर्ज मोबाइल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त होगी। कृषक का बैंक खाता आधार सीडेड (बैंक खाता आधार से जुड़ा हो) होना आवश्यक हैं। बाजरा का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किसानां के आधार सीडेड बैंक खातें में किया जयेंगा। कृषक के स्वयं क्रय केन्द्र पर उपस्थित न होने की स्थिति में वह अपने पारिवारिक सदस्य को पंजीकरण प्रपत्र में नामिनी नामित कर सकता हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 01 नवम्बर 2024 से सरकारी क्रय केन्द्रों पर धान की भी खरीद प्रारम्भ होगी। धान का समर्थन मूल्य कॉमन रू0-2300 प्रति कुन्तल तथा ग्रेड-ए रू0-2320 प्रति कुन्तल निर्धारित हैं। उन्होंने कृषक बन्धुओं से अपील की है कि 01 अक्टूबर 2024 से बाजरा का बिक्रय तथा 01 नवम्बर 2024 से धान के बिक्रय के लिए अपना पंजीकरण अवश्य करायें, जिससे उनके पंजीकरण का सत्यापन हो सकें एवं उपज के बिक्रय एवं भुगतान में कोई समस्या उत्पन्न न हों। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए कृषकगण सम्बन्धित विकास खण्ड के विपणन निरीक्षक अथवा तहसील में तैनात क्षेत्रीय विपणन अधिकारी से संपर्क कर सकतें हैं। इसके अलावा जिला खाद्य विपणन अधिकारी के मोबाइल नम्बर-7839564974 एवं 7839562476 पर संपर्क किया जा सकता हैं।

दूसरी पत्नी ने हेरा फेरी कर बेच ली करोड़ो की जमीन

न्यायालय के स्थगन आदेश के बाद पुलिस करा रही है जमीन पर जबरिया कब्जा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज काशिया निवासी रमाकांत साहू की पहली पत्नी मीरा साहू की मौत होने के बाद उन्होंने दूसरी महिला रेखा साहू से शादी कर ली रमाकांत की मौत हो गई पहली पत्नी मीरा साहू की एक संतान सत्या साहू है जिसकी शादी फतेहपुर जिले में हो चुकी है रमाकांत की मौत के बाद उनकी दूसरी पत्नी रेखा साहू ने राजस्व अभिलेखों में हेरा फेरी कर अधिकारियों को गलत सूचना देकर रमाकांत की संपूर्ण संपत्ति अपने नाम वरासत करा लिया और रमाकांत की संपूर्ण संपत्ति बेच करके रकम अर्जित कर ली रमाकांत की पहली पत्नी मीरा साहू की बेटी सत्या साहू का नाम अभिलेखों में नहीं दर्ज हुआ इस मामले में राजस्व विभाग की भूमिका सवालों के घेरे में है जिस पर सत्या साहू न्याय के लिए अदालत से लेकर अधिकारियों की चौखट पर दौड़ने लगी धीरे-धीरे एक वर्ष से अधिक समय बीत गया सत्या साहू बार-बार अधिकारियों को एप्लीकेशन देकर न्याय मांग रही है लेकिन सत्या साहू को एक वर्ष बीत जाने के बाद भी अधिकारियों से न्याय नहीं मिला है दो पत्नी के मामले में एक पत्नी के नाम पूरी संपत्ति दर्ज कर राजस्व विभाग ने जो अपराध किया है यह अक्षम्य है और अभी तक हेराफेरी कर जमीन में नाम दर्ज करने वाले राजस्व कर्मचारी और अधिकारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें निलंबित कर उनकी गिरफ्तारी नहीं कराई गई है गलत वरासत दर्ज करने के मामले को जिला अधिकारी को संज्ञान लेना होगा गलत विरासत दर्ज करने वालों पर मुकदमा दर्ज करते हुए कठोर कार्रवाई करनी होगी। जमीन बेचने वाली रेखा साहू पर मुकदमा नहीं दर्ज हुआ है उनको गिरफ्तार कर जेल नहीं भेजा क्या जिससे कौशांबी के कानून व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है रेखा साहू ने जिसको जमीन बेच दिया है वह निर्माण करना चाहता है जिस पर सत्या साहू ने अदालत से लेकर अधिकारियों तक का दरवाजा खटखटाया अदालत में जमीन पर स्थगन आदेश जारी कर दिया लेकिन स्थगन आदेश के बाद भी जमीन पर निर्माण हो रहा है मूरतगंज चौकी पुलिस जमीन पर कब्जा रोकने को तैयार नहीं है जमीन खरीदने वालों को अदालत के आदेश का पालन चौकी पुलिस नहीं करा पा रही है सवाल उठता है कि किस अधिकारी और किस नेता का चौकी पुलिस पर दबाव है जिससे जमीन कब्जा करने वाले न्यायालय के स्टे के बाद लगातार जमीन पर निर्माण कर रहे है या फिर धनबल के चलते चौकी इंचार्ज अदालत का आदेश मानने को तैयार नहीं है यह बड़ी जांच का विषय है लेकिन सवाल उठता है कि जमीनी विवाद के मामले में शासन से लेकर बड़े अधिकारियों तक के कठोर निर्देश जारी होते हैं और जमीनी विवाद के चलते आए दिन बड़ी घटनाएं होती है संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मोहिद्दीन पुर गांव के पांडा चौराहा के पास बीते वर्ष जमीनी विवाद में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या हो चुकी है लेकिन इसी थाना क्षेत्र में जमीन बड़ी घटना होने के बाद भी थाना पुलिस वा राजस्व विभाग बीते मामले से सबक नहीं ले रही है अब सवाल उठता है कि रमाकांत साहू की दो पत्नियों थी कि नहीं थी यह तो मामूली सी जांच का विषय तो कोई भी अधिकारी कर्मचारी जांच करके सच्चाई उजागर कर सकता है लेकिन सच्चाई उजागर करने को राजस्व से लेकर पुलिस तैयार नहीं है जिससे हेरा फेरी करने वाली रेखा साहू के हौसले बुलंद है और जमीन बेच लेने के बाद स्थिति तनावपूर्ण है और कभी भी कोई अनहोनी होने से इनकार नहीं किया जा सकता है राजस्व और पुलिस की लगातार लापरवाही उदासीनता से यदि कोई अनहोनी हुई तो जवाबदेही किसकी होगी।

सम्पादकीय

बिहार में कानून व्यवस्था की धज्जियां किस कदर उड़ चुकी

बिहार में कानून व्यवस्था की धज्जियां किस कदर उड़ चुकी हैं, इसका प्रमाण बुधवार को एक बार फिर सामने आया। नवादा जिले के ददौर गांव की कृष्णानगर नाम की एक दलित बस्ती में दबंगों ने कई राउंड फायरिंग करने के बाद आग लगा दी, जिसमें करीब 80 घर जलकर खाक हो गए। कई जानवरों के मरने की सूचना है, लेकिन किसी इंसान की जान को हानि नहीं पहुंची है, क्योंकि इस हमले की आशंका से लोग पहले ही अपने घरों को छोड़कर चले गए थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब किस तरह अपने सुशासन का दावा कर सकेंगे, ये तो कहा नहीं जा सकता। फिलहाल वे यही कह सकते हैं कि इस मामले के बाद अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसमें घटना का मास्टरमाइंड बताया जा रहा नंदू पासवान भी शामिल है।

खबरों के मुताबिक 2014 में बिहार पुलिस से रिटायर हुआ नंदू पासवान इस इलाके का भू माफिया है और आगजनी की यह घटना 1995 से ही चले आ रहे एक भूमि विवाद से जुड़ी हुई है। कारण जो भी रहा हो, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या कोई सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी, पुलिसकर्मी या सामान्य नागरिक इस कदर दुस्साहस कर सकता है कि उसके कहने पर एक गांव लगभग पूरा जला दिया जाए। यह वारदात साफ इशारा करती है कि बिहार में सरकार का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। सरकार की पुलिस प्रशासन पर पकड़ कमजोर है और कानून-व्यवस्था गर्त में जा चुकी है।

अभी बहुत पुरानी बात नहीं है, इसी साल मई माह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा शासन और खासकर नरेन्द्र मोदी के शासन को लेकर लंबे-चौड़े दावे किए थे। श्री नड्डा ने कहा था नरेंद्र मोदी के 10 साल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के रहे। एक तरफ सेवा है, सुशासन है, गरीब कल्याण है, तो दूसरी तरफ राजद-कांग्रेस के शासन की लूट, कुशासन और उनके परिवार का कल्याण था। दोनों में तय आपको करना है। श्री नड्डा लोकसभा के लिए जनता का वोट मांग रहे थे, लेकिन जिस तरह उन्होंने राजद और कांग्रेस के शासन को कोसा, उससे जाहिर है कि वे नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन को छोड़कर एनडीए में साथ आने को सही ठहरा रहे थे। नीतीश कुमार ने भी मन न लगने को कारण बताते हुए ही राजद और कांग्रेस से किनारा करके फिर से भाजपा से दोस्ती की और राज्य की सत्ता में भाजपा को दोबारा आने का मौका दिया था। अब उसका नतीजा सामने है कि जिस सुशासन के दावे नीतीश कुमार को लेकर किए जाते रहे, उसकी हकीकत क्या है। अब तक कई पुलों का गिरना ही काफी नहीं था कि एक बार फिर जातीय हिंसा की भयावह याद ताजा कराती नवादा की घटना घटी है।

पाठक जानते हैं कि इसी बिहार में 27 मई 1977 को मात्र एक का जमीन के विवाद पर 11 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई थी, जिनमें आठ दलित और तीन सोनार जाति के लोग थे। मरने वालों में एक 12 बरस का विक्षिप्त बच्चा भी था। तब मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री थे और इंदिरा गांधी आपातकाल के बाद चुनाव हार गई थीं।

दुनिया में अमनचैन, अयुद्ध एवं शांति का उजाला हो

-: ललित गर्ग:-

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस प्रत्येक वर्ष 21 सितम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस सभी देशों और लोगों के बीच स्वतंत्रता, अहिंसा, सह-जीवन, शांति और खुशी का एक आदर्श संकल्प माना जाता है। यह दिवस मुख्य रूप से पूरी पृथ्वी पर शांति और अहिंसा स्थापित करने के लिए मनाया जाता है। किंतु यह काफी निराशाजनक है कि आज इंसान दिन-प्रतिदिन इस शांति से दूर होता जा रहा है। आज चारों तरफ फैली राष्ट्रों की महत्वाकांक्षाएं एवं बाजारवाद ने शांति को व्यक्ति से और भी दूर कर दिया है। पृथ्वी, आकाश व सागर सभी अशांत हैं। स्वार्थ और घृणा ने मानव समाज को विखंडित कर दिया है। यूँ तो विश्व शांति का संदेश हर युग और हर दौर में दिया गया है, लेकिन इसको अमल में लाने वालों की संख्या बेहद कम होती जा रही है। इसलिए विश्व के सभी देशों एवं विशेषतः विकसित एवं शक्तिसम्पन्न देशों को उदार एवं दूरगामी नजरिया अपनाना होगा। अपने-अपने स्वार्थों को नजरअंदाज करते हुए विश्व मानवता को केन्द्र में रखना होगा है। अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस-2024 की थीम है शांति की संस्कृति का विकास। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा शांति की संस्कृति पर घोषणा और कार्यक्रम को अपनाए जाने की 25वीं वर्षगांठ है ।

आज दुनियाभर में जो युद्ध चल रहे हैं, उनकी वजह से शांति खतरे में हैं। रूस-युक्रेन और इस्राइल-गाजा का लम्बे दौर से चल रहा युद्ध शांति की बड़ी बाधा है। युद्धों का मानव जीवन, पर्यावरण एवं विकास पर सबसे घातक असर पड़ रहा है और यही जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण भी बन रहा हैं जो शांतिपूर्ण जीवन को संभव नहीं होने देता। दुनिया में अनेक ऐसे विध्वंसक देश हैं, जो आतंकवाद, युद्ध एवं पडोसी देशों में अशांति फैलाने की राहों को चुनते हुए अपनी बबार्दी के साथ अन्य देशों में अशांति की कहानी लिख रहे हैं। पाकिस्तानी नेतृत्व ने भारत में आतंकवाद फैला कर लिखी अपनी बबार्दी की दास्तां, जिसे अब उसकी खुद की जनता झेल रही है। भारत शांतिप्रिय देश है, वह खुद शांति चाहता है और दुनिया में शांति की स्थापना के लिये निरन्तर प्रयत्नशील रहा है। शांति, अहिंसा , अयुद्ध एवं अमनचैन की भारत की नीतियों को देर से ही सही दुनिया ने स्वीकारा है। भारत की ऐसी ही मानवतावादी एवं सहजीवन की भावना को बल देने के कारण ही दुनिया एक गुरु के रूप में भारत को सम्मान देने लगी है। भारत आतंकवाद, हिंसा-युद्धयुक्त संसार और विस्तारवाद की भूख के खिलाफ जो सवाल उठाता रहा है, उसे अनेक देशों में न सिर्फ विचार के लिए जरूरी समझा जाने लगा है, बल्कि अब उन पर स्पष्ट रुख भी अख्तियार किया जा रहा है। शांति का उजाला फैलाने के उद्देश्य से विश्व शांति दिवस की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता बढ़ती जा रही है। इस दिवस को कोरा आयोजनात्मक न मनाया जाकर प्रयोजनात्मक रूप से मनाने की आवश्यकता है।

सम्पूर्ण विश्व में शांति कायम करना आज संयुक्त राष्ट्र का मुख्य लक्ष्य है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में भी इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि अंतरराष्ट्रीय संघर्ष को रोकने और शांति की संस्कृति विकसित करने के लिए ही यूएन का जन्म हुआ है। संघर्ष, आतंक और अशांति के इस दौर में अमन की अहमियत का प्रचार-प्रसार करना बेहद जरूरी और प्रासंगिक हो गया है। इसलिए संयुक्त राष्ट्रसंघ, उसकी तमाम संस्थाएँ, गैर-सरकारी संगठन, सिविल सोसायटी और राष्ट्रीय सरकारें प्रतिवर्ष शांति दिवस का आयोजन करती हैं। शांति का संदेश दुनिया के कोने-कोने में पहुँचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने कला, साहित्य, सिनेमा, संगीत और खेल जगत की विश्वविख्यात हस्तियों को शांतिदूत भी नियुक्त कर रखा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तीन दशक पहले यह दिन सभी देशों और उनके निवासियों में शांतिपूर्ण विचारों को सुदृढ़ बनाने के लिए समर्पित किया था। पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने विश्व में शांति और अमन स्थापित करने के लिए पाँच मूल मंत्र दिए थे, इन्हें पंचशील के सिद्धांत भी कहा जाता है। ये पंचसूत्र मानव कल्याण तथा विश्व शांति के

आदर्शों की स्थापना के लिए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्था वाले देशों में पारस्परिक सहयोग के पाँच आधारभूत सिद्धांत हैं। इसके अंतर्गत निम्नलिखित पाँच सिद्धांत निहित हैं-एक दूसरे की प्रादेशिक अखंडता और प्रभुसत्ता का सम्मान करना। एक दूसरे के विरुद्ध आक्रामक कार्रवाई न करना। एक दूसरे के आंतरिक विषयों में हस्तक्षेप न करना। समानता और परस्पर लाभ की नीति का पालन करना। शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति में विश्वास रखना। भारत पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व शांति, अहिंसा एवं युद्धमुक्त विश्व संरचना के लिये प्रयासरत है। यूक्रेन-रूस एवं इस्राइल-गाजा में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत शांति प्रयास करने में जुटा है। एकमात्र भारत ही ऐसा देश है जो अपने आध्यात्मिक तेज एवं अहिंसा की शक्ति से मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति दे सकता।

विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में हर देश में जगह-जगह सफेद रंग के कबूतरों को उड़ाया जाता है, जो कहीं ना कहीं भारत के शांति के ही सिद्धांतों को दुनिया तक फैलाते हैं। इन कबूतरों को उड़ाने के पीछे एक शायर का निम्न शेर बहुत ही विचारणीय है-लेकर चलें हम पैगाम भाईचारे का, ताकि व्यर्थ खून न बहे किसी वतन के रखवाले का। आज कई लोगों का मानना है कि विश्व शांति को सबसे बड़ा खतरा साम्राज्यवादी आर्थिक और राजनीतिक चालों से है। विकसित देश युद्ध की स्थिति उत्पन्न करते हैं, ताकि उनके सैन्य साजो-समान बिक सकें। यह एक ऐसा कड़वा सच है, जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता। आज सैन्य साजो-सामान एवं हथियार उद्योग विश्व में बड़े उद्योग के तौर पर उभरा है। आतंकवाद को अलग-अलग स्तर पर फैलाकर विकसित देश इससे निपटने के हथियार बेचते हैं और इसके जरिये अकूत संपत्ति जमा करते हैं। हाल ही में यूक्रेन-रूस, इस्राइल-गाजा अफगानिस्तान, ईरान और इराक जैसे देशों में हुए युद्धों एवं पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद को विशेषज्ञ हथियार माफियाओं के लिए एक फायदे का मेला मानते रहे हैं। उनके अनुसार दुनिया में भय और आतंक का माहौल खड़ा करके ही सैन्य सामान बेचने वाले देश अपनी चांदी कर रहे हैं।

बात केवल रूस-यूक्रेन युद्ध की ही नहीं है बल्कि देश के भीतर घटित हिंसा के ताण्डव की भी है। जबकि अहिंसा सबसे ताकतवर हथियार है, बशर्ते कि इसमें पूरी ईमानदारी बरती जाए। लेकिन विभिन्न देशों में तरह-तरह के धार्मिक-साम्प्रदायिक आन्दोलन हो या ऐसे ही अन्य राजनैतिक आन्दोलन, उनमें हिंसा का होना गहन चिन्ता का कारण बना है। हिंसा, नक्सलवाद और आतंकवाद की स्थितियों ने जीवन में अस्थिरता एवं भय व्याप्त कर रखा है। अहिंसा की इस पवित्र भारत भूमि में हिंसा का तांडव सोचनीय है। महावीर, बुद्ध, गांधी एवं आचार्य तुलसी के देश में हिंसा को अपने स्वार्थपूर्ति का हथियार बनाना गंभीर चिंता का विषय है। इस जटिल माहौल में विशेष उपक्रमों के माध्यम से अहिंसक जीवनशैली और उसके प्रशिक्षण का उपक्रम और विभिन्न धर्म, जाति, वर्ग, संप्रदाय के लोगों के बीच संपर्क अभियान चलाकर उन्हें अहिंसक एवं शांतिवादी बनने को प्रेरित किया जाना न केवल प्रासंगिक है, बल्कि राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जीवन की बड़ी आवश्यकता है। इन प्रयत्नों से ही विश्व की महाशक्तियों एवं उनकी हिंसक मानसिकता पर व्यापक प्रभाव स्थापित किया जा सकता है।

आज प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। शांति ही उन्नत एवं आदर्श जीवन का आधार है। मानव कल्याण की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। भाषा, संस्कृति, पहनावे भिन्न-भिन्न हो सकते हैं, लेकिन विश्व के कल्याण का मार्ग एक ही है और शांतिपूर्ण सह-जीवन। बशीर बद्र का शेर है कि सात संदूकों में भर कर दफ़्न कर दो नफरतें, आज इंसाँ को मोहब्बत की जरूरत है बहुत।। मनुष्य को नफरत का मार्ग छोड़कर प्रेम के मार्ग पर चलना चाहिए। इस सदी में विश्व में फैली अशांति और हिंसा को देखते हुए हाल के सालों में शांति कायम करना मुश्किल ही लगता है, किंतु उम्मीद पर ही दुनिया कायम है और यही उम्मीद की जा सकती है कि जल्द ही वह दिन आएगा, जब हर तरफ शांति ही शांति होगी। मंगल कामना है कि अब मनुष्य यंत्र के बल पर नहीं, भावना, विकास और प्रेम के बल पर जीए और जीते।

खेती को खोखला कर देंगी, जीएम फसलें

- भारत डोगरा

एक 'जीएम' फसल 'बीटी' कपास या उसके अवशेष खाने के बाद या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं। डा. सागरी रामदास ने इस मामले पर विस्तृत अनुसंधान किया है। उन्होंने बताया है कि ऐसे मामले विशेषकर आंध्रप्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक व महाराष्ट्र में सामने आए हैं, पर अनुसंधान-तंत्र ने इस पर बहुत कम ध्यान दिया है।

जेनेटिकली मोडीफाईड' फसलें (जीएम) एक बड़े विवाद का विषय रही हैं। हाल ही में मैक्सिको की सरकार ने अपनी सबसे महत्वपूर्ण फसल मक्का को 'जीएम' से बचाने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। मैक्सिको पर पड़ोसी देश अमेरिका व वहां की कंपनियों का दबाव था कि वह 'जीएम' मक्का अपनाए, पर मैक्सिको की सरकार ने स्पष्ट कहा कि वह अपने देश की खाद्य-सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले फिलीपींस में वैज्ञानिकों, किसानों व कार्यकताओं ने अदालत में 'जीएम' फसलों के विरुद्ध मुकदमा लड़ा था और उन्हें अदालत से 'जीएम' फसलों पर रोक का महत्वपूर्ण निर्णय भी प्राप्त हुआ था।

इन दिनों भारत की खेती-किसानी कई स्तरों पर संकट के दौर से गुजर रही है। हालांकि इसके संतोषजनक समाधान भी कई स्तरों पर उपलब्ध हैं, पर इन समाधानों की ओर बढ़ने की बजाय कुछ सीमित स्वार्थों की ओर से ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं जिनसे यह संकट निश्चित तौर पर और उग्र होगा व असहनीय हद तक बढ़ सकता है। ऐसा ही एक सुझाव है 'जीएम' फसलों का प्रसार, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बहुत शक्तिशाली तत्व जुड़े हैं।

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' से बनने वाली 'जीएम' फसलों में किसी भी पौधे या जन्तु के 'जीन' या आनुवांशिक गुण का प्रवेश किसी अन्य पौधे या जीव में करवाया जाता है, जैसे - आलू के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या सुअर के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या मछली के जीन का प्रवेश सोयाबीन में करवाना या मनुष्य के जीन का प्रवेश सुअर में करवाना आदि। यह कार्य 'जीन' - बंदूक से पौधे की कोशिका पर बाहरी 'जीन' दागकर किया जाता है या किसी बैक्टीरिया में बाहरी 'जीन' का प्रवेश करवाकर उससे पौधे की कोशिका का संक्रमण किया जाता है।

'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की तकनीक देश-विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? 'जीएम' फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक-प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर-जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को 'इंडिपेंडेंट साईंस

पैनल' ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है।

इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने 'जीएम' फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया जिसमें उन्होंने कहा कि- 'जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का वायदा किया गया था, वे प्राप्त नहीं हुए हैं, बल्कि ये फसलें खेतों में बढ़ती समस्याएं पैदा कर रही हैं। इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर 'ट्रान्सजेनिक-प्रदूषण' से बचा नहीं जा सकता है।

जाहिर है, 'जीएम' व 'गैर-जीएम' फसलों का सह-अस्तित्व नहीं हो सकता। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि 'जीएम' फसलों की सुरक्षा प्रमाणित नहीं हो सकी है। इसके विपरीत पर्याप्त प्रमाण हैं जिनसे इन फसलों से सुरक्षा पर गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की क्षति होगी जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती, जिसे फिर ठीक नहीं किया जा सकता। 'जीएम' फसलों को अब दृढ़ता से खारिज कर देना चाहिए।'

वैज्ञानिकों ने इन फसलों से जुड़े खतरे का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष बताया है कि जो खतरे पर्यावरण में फैलेंगे उन पर हमारा नियंत्रण नहीं रह जाएगा। गंभीर दुष्परिणाम आने पर भी हम इनकी क्षतिपूर्ति नहीं कर पाएंगे। जेनेटिक-प्रदूषण का मूल चरित्र ही ऐसा है। वायु-प्रदूषण व जल-प्रदूषण की गंभीरता का पता लगाकर उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है, पर जेनेटिक-प्रदूषण, पर्यावरण में पहुंचने के बाद हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है।

ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को केवल इस कारण परेशान किया गया क्योंकि उनके अनुसंधान से 'जीएम' फसलों के खतरे पता चलने लगे थे। इन कुप्रयासों के बावजूद निष्ठावान वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से 'जीएम' फसलों के गंभीर खतरों को उजागर करने वाले दर्जनों अध्ययन उपलब्ध हैं। जैफरी एम. स्मिथ की पुस्तक 'जेनेटिक रुले' के 300 से अधिक पृष्ठों में ऐसे दर्जनों अध्ययनों का सार-संक्षेप या परिचय उपलब्ध है। इनमें चूहों पर हुए अनुसंधानों में पेट, लिवर, आंतों जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण अंगों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने की चर्चा है। 'जीएम' उत्पाद खाने वाले पशु-पक्षियों के मरने या बीमार होने की चर्चा है व जेनेटिक-उत्पादों से मनुष्यों में भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का वर्णन है।

सन- 2009-10 में भारत में 'बीटी' बैंगन के संदर्भ में 'जीएम' के विवाद ने जोर पकड़ा तो विश्व के 17 विख्यात वैज्ञानिकों ने भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाई। पत्र में कहा गया कि 'जीएम' प्रक्रिया से गुजरने वाले पौधे का जैव-रसायन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है जिससे उसमें नए विषैले या एलर्जी उत्पन्न करने वाले तत्वों का प्रवेश हो सकता है व उसके पोषक गुण कम या बदल सकते हैं। जीव-जंतुओं को 'जीएम' खाद्य खिलाने पर आधारित अनेक अध्ययनों से गुर्दे (किडनी), यकृत(लिवर) पेट व निकट के अंगों (गट), रक्त-कोशिका, रक्त जैव-रसायन व प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) पर नकारात्मक असर सामने आ चुके हैं।

इन वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन जीव-जंतुओं को 'बीटी' मक्का खिलाया गया उनमें प्रत्यक्ष विषैलेपन का प्रभाव देखा गया। 'बीटी' मक्के पर 'मानसैंटो कंपनी' के अनुसंधान का जब पुनर्मूल्यांकन हुआ तो अल्प-कालीन अध्ययन में भी नकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम दिखाई दिए। 'बीटी' के विषैलेपन से एलर्जी के रिएक्शन का खतरा जुड़ा हुआ है। 'बीटी' बैंगन खिलाने के अध्ययनों पर महको-मानसेंटो ने जो दस्तावेज तैयार किया उससे जीव-जंतुओं पर, विशेषकर चूहे, खरगोश व बकरी के लिवर, किडनी, खून व पैंक्रियास पर नकारात्मक परिणाम नजर आते हैं। केवल 90 या उससे भी कम दिनों के, अल्पकालीन अध्ययन में ही ये प्रतिकूल परिणाम नजर आए, तो जीवन-भर के अध्ययन से और कितने प्रतिकूल परिणाम सामने आते, इस पर प्रश्न खड़े हो गए हैं। एक 'जीएम' फसल 'बीटी' कपास या उसके अवशेष खाने के बाद या ऐसे खेत में चरने के बाद अनेक भेड़-बकरियों के मरने व पशुओं के बीमार होने के समाचार मिले हैं। डा. सागरी रामदास ने इस मामले पर विस्तृत अनुसंधान किया है। उन्होंने बताया है कि ऐसे मामले विशेषकर आंध्रप्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक व महाराष्ट्र में सामने आए हैं, पर अनुसंधान-तंत्र ने इस पर बहुत कम ध्यान दिया है। भेड़-बकरी चराने वालों ने स्पष्ट बताया कि सामान्य कपास के खेतों में चरने पर ऐसी स्वास्थ्य समस्याएं पहले नहीं देखी गईं, 'जीएम' के आने के बाद ही ये समस्याएं देखी गईं। हरियाणा में दुधारू पशुओं को 'बीटी' कपास के बीज व खली खिलाने के बाद उनमें दूध कम होने व प्रजनन की गंभीर समस्याएं सामने आईं हैं। कृषि व खाद्य क्षेत्र में 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' की टैक्नॉलाजी मात्र छः-सात बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथों में केंद्रित है। इन कंपनियों का मूल आधार पश्चिमी देशों में है। इनका उद्देश्य 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' के माध्यम से दुनियाभर की कृषि व खाद्य व्यवस्था पर ऐसा नियंत्रण स्थापित करना है जैसा विश्व इतिहास में कभी संभव नहीं हुआ। इन तथ्यों व जानकारियों को ध्यान में रखते हुए सभी 'जीएम' फसलों का विरोध जरूरी है। इसके साथ अवैध ढंग से हमारे देश में जिन 'जीएम' खाद्य उत्पादों का आयात होता रहा है उस पर पूरी तरह रोक लगाना भी जरूरी है।

इस विषय पर सबसे गहन जानकारी रखने वाले भारत के वैज्ञानिक थे, प्रो. पुष्प भार्गव। एक लेख में प्रो. भार्गव ने लिखा था कि लगभग 500 शोध प्रकाशनों ने 'जीएम' फसलों के मनुष्यों, अन्य जीव-जंतुओं व पौधों के स्वास्थ्य पर हानिकारक असर को स्थापित किया है। ये सभी प्रकाशन ऐसे वैज्ञानिकों के हैं जिनकी ईमानदारी पर कोई सवाल नहीं उठा है। दूसरी ओर 'जीएम' फसलों का समर्थन करने वाले लगभग सभी पेपर या प्रकाशन उन वैज्ञानिकों के हैं जिनकी विश्वसनीयता व ईमानदारी के बारे में सवाल उठ सकते हैं।

'जीएम' फसलों के समर्थक कहते हैं कि उसे वैज्ञानिकों का समर्थन मिला है, पर प्रो. भार्गव ने इस विषय पर समस्त अनुसंधान का आकलन कर यह स्पष्ट बता दिया कि अधिकांश निष्पक्ष वैज्ञानिकों ने 'जीएम' फसलों का विरोध ही किया है।

उन्होंने यह भी बताया कि जिन वैज्ञानिकों ने 'जीएम' को समर्थन दिया है उनमें से अनेक किसी-न-किसी स्तर पर 'जीएम' बीज बेचने वाली कंपनियों या इस तरह के निहित स्वार्थों से जुड़े रहे हैं। आज जब शक्तिशाली स्वार्थों द्वारा 'जीएम' खाद्य फसलों को भारत में स्वीकृति दिलवाने के प्रयास अपने चरम पर हैं, यह बहुत जरूरी है कि इस विषय पर शीर्ष विशेषज्ञ प्रो. पुष्प भार्गव की तथ्य व शोध आधारित चेतावनियों पर समुचित ध्यान दिया जाए।

आरक्षण भीतर आरक्षण सही या गलत?

- संजीव खुदशाह

जाहिर है पिछड़े दलितों आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने के लिए हमें बहुत सारे कदम उठाने पड़ेगें सिर्फ आरक्षण से काम नहीं चलेगा। तभी हमारे देश में कोई पीछे नहीं रह जायेगा। न ही किसी को अपने विकास के लिए गुहार लगाने की जरूरत पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट के इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए।

1अगस्त 2024 को आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के सात सदस्यीय पीठ के द्वारा देविन्दर सिंह विरूध पंजाब के बारे में फैसला आने के बाद अगड़ा दलित और पिछड़ा दलित के बीच द्वंद छिड़ गया है। दोनों ओर से अपने-अपने तर्क दिये जा रहे है। आज यह बहस राष्ट्रीदय पटल पर हो रही है। अगड़े दलित उनको माना जाता है जो आजादी के बाद से लगातार नौकरीपेशा में आ रहे हैं और इस जाति के काफी मात्रा में लोग आरक्षण का लाभ लेकर उच्च पदों तक पहुंचे हैं समृद्धशाली हुए हैं। जैसे जाटव, महार, अहिरवार, सतनामी आदि आदि। वहीं दूसरी ओर पिछड़े दलित उन्हें माना जाता है जिन्हें परिस्थितिवश या उनके अति पिछड़ापन होने के कारण आरक्षण का लाभ उस तरह से नहीं मिल पाया जिस तरह से अगड़े दलितों को मिला है। जैसे वाल्मीकि, लालबेगी, मेहतर, डोमार, बंसोर, चुहड़ा, घसिया, देवार आदि आदि। इनमें प्रतिनिधित्व का बंटवारा बेहद असमान है। सफाई कामगारों में भी लाभ लेने में वाल्मीकि जाति सबसे आगे है। यहां यह बताना जरूरी है कि याचिकाकर्ता डॉक्टर ओपी शुक्ला जो कि दलित समाज से आते हैं, उनका कहना है कि आजादी के बाद से सफाई कामगार समाज का शोषण हुआ है। उनका प्रतिनिधित्व कहां गया? आखिर किसने उनका प्रतिनिधित्व खाया है? यह बता दें। वह कहते हैं कि मैंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका इसीलिए डाली ताकि संविधान के अनुसार जो सबसे अंतिम व्यक्ति है। उसे इसका फायदा मिल सके। बहुत सारी ऐसी जातियां आज भी हैं जिन्हें सरकारी नौकरियों में

प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। इस फैसले से दक्षिण भारत में खुशी का माहौल है तो उत्तर भारत में द्वंद छिड़ा है।

अगड़े दलित कहते हैं कि यह फैसला विधिसम्मत नहीं है। यह 'फूट डालो राज करो' जैसा है। इस फैसले से दलितों में दो फाड़ हो जायेगा, वैमनस्य बढ़ेगा। वे कहते है कि उन्होंने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा बहुत पहले छोड़ दिया था। लेकिन पिछड़े दलित जाति के लोगों ने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा नहीं छोड़ा। जबकि डॉ अंबेडकर ने 1930 में यह आह्वान किया था कि अछूत अपना गंदा पेशा छोड़ दें। पिछड़े दलित जातियों में बहुत बड़ी संख्या सफाई कामगार जातियों की है। यह सत्य है कि इन्होंने अपना पुश्तैनी गंदा पेशा नहीं छोड़ा। इसके कारण इनमें उत्थान नहीं हो पाया। यह थोड़ा बहुत जागरूक हुई तो भी इन्होंने उस गंदे पेशे में अधिक वेतन और सुविधा की मांग करने लगे। कई जगह ऐसा भी देखने मिला कि वे इन पेशों में 100 प्रतिशत आरक्षण की मांग करने लगे। ऐसे भी उदाहरण हैं जबकि इन पिछड़े दलित जातियों के कुछ लोगों ने अपने गंदे पेशे को छोड़कर अच्छे पेशे को अपनाया और वह आगे तरक्की कर गये।

माननीय सुप्रीम कोर्ट की सराहनीय पहल- हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति-जनजाति में क्रीमीलेयर की बात की थी जिसे माननीय प्रधानमंत्री ने लागू नहीं होगा- कहकर इस पर विराम लगा दिया, जो सही भी था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दूसरे निर्देश जिसमें यह कहा गया कि पीछे रह गई जातियों में अलग से आरक्षण का बंटवारा भी किया जाएगा। यह सुप्रीम कोर्ट का एक सराहनीय पहल है। आखिर अतिपिछड़े दलित और आदिवासी को अलग से आरक्षण मिलेगा तो इससे किसे आपत्ति होगी?

यह प्रश्न खड़ा होता है कि आजादी के 75 साल बाद भी दलित आदिवासी इतने पिछड़े क्यों हैं? आखिर इनमें विकास और उत्थान क्यों नहीं हो रहा है? आखिर क्या कमी रह गई? गंदे पेशे से छुटकारा दिलाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए था। क्योंकि एक मानव के द्वारा अपमानजनक पेशे का किया जाना पूरे भारतवर्ष के लिए शर्म की बात है और संविधान के भी विरुद्ध है। चाहिए था कि जल्द से जल्द इन पेशे में लगे लोगों को हटाया जाए और मानव की जगह मशीन का उपयोग किया जाए। साथ-साथ इनका पुनर्वास किया जाना चाहिए।

माननीय सुप्रीम कोर्ट से यह अपेक्षा थी कि अजा अजजा में जो आरक्षण दिया जाता है वह आरक्षण बहुत मात्रा में 'नॉट फाउंड सूटेबल ' कहकर जनरल पोस्ट भर दिए जाते हैं। कई कई साल तक बैकलॉग की भर्तियां नहीं निकाली जाती हैं। निर्देश दिया जाना चाहिए था कि बैकलॉग की भर्तियां तुरंत करें और नॉट फाउंड सूटेबल को सामान्य में समायोजित न करके अगली भर्ती में उसकी वैकेंसी फिर से उसी केटेगरी में निकाली जाए। जाहिर है पिछड़े दलितों आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने के लिए हमें बहुत सारे कदम उठाने पड़ेगें सिर्फ आरक्षण से काम नहीं चलेगा। तभी हमारे देश में कोई पीछे नहीं रह जायेगा। न ही किसी को अपने विकास के लिए गुहार लगाने की जरूरत पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट के इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए।

छत्रपति साहू जी महाराज इण्टर कालेज रगौली में मना अंर्तराष्ट्रीय बेटी दिवस

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति फोरम फॉर एडवासिंग वूमेन एजेण्डा व वात्सल्य लखनऊ के तत्वाधान मे अंर्तराष्ट्रीय बेटी दिवस उत्सव पखवाड़ा के तहत छत्रपति साहू जी महाराज इण्टर कालेज रगौली मे जन जागरूकता कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को प्रधानाध्यापक अजीत नारायण सिंह ने बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई। कहा कि बाल विवाह एक समाजिक बुराई है। माता-पिता को अपने बच्चों का विवाह कम उम्र मे नही करना चाहिए। लडकी की उम्र 18 वर्ष व लडके का विवाह 21 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद ही करे।

छात्राओं को जागरूक करते संस्थान के लोग।

शुक्रवार को अंर्तराष्ट्रीय बेटी दिवस उत्सव पखवाड़ा के तहत छत्रपति साहू जी महाराज इण्टर कालेज रगौली मे जन जागरूकता में प्रधानाध्यापक ने कहा कि बच्चो के विकास के उचित अवसर प्रदान करने को शिक्षकों व माता-पिता को आगे आना चाहिए। संस्थान के कार्यकर्ता आदित्य मिश्रा ने छात्राओं को गुड-बैड टच के विषय मे बताया। बच्चो को समझाया कि कैसे वह इसकी पहचान कर सकते है। बिना डरे अभिभावक व शिक्षको को बतायें। हेल्पलाइन नम्बर 1090 व 1098 के बारे में बताया। संस्थान के कार्यकर्ता पुष्पेन्द्र सिंह ने महिलाओं व किशोरियो से सम्बन्धित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। बालिका शिक्षा के महत्व व कौशल विकास के महत्व को बताया। लडकियों में शिक्षा की कमी समाज के शक्तिशाली भाग को कमजोर कर सकती है। महिलायें देश की आबादी का आधा हिस्सा है। पुरुष व महिलायें एक सिक्के के दो पहलुओं की तरह हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की महिला साक्षरता दर 65. 46 फीसदी है। पुरुष साक्षरता दर 82.14 फीसदी अनुमानित है। पुरुष-महिलाओं की साक्षरता के बीच 17 फीसदी लैंगिक अंतर है। ग्रामीण क्षेत्र में यह लैंगिक अंतर अधिक है। कार्यक्रम में संस्था के कार्यक्रम समन्वयक आदित्य मिश्रा, कार्यकर्ता पुष्पेन्द्र सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत नरायण सिंह, छात्र-छात्रायें मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने ली साप्ताहिक परेड की सलामी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया।

शुक्रवार को परेड निरीक्षण में अधिकारी/कर्मचारियों का टर्न आउट चेक किया। परेड ग्राउण्ड में मौजूद टोलियों की ड्रिल देखी। सुधार को प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन को निर्देश दिये। इस दौरान परेड ग्राउण्ड में आरमोर्र शैलेन्द्र कुमार यादव ने पिस्टल व इंसास राइफल की हैंडलिंग बाबत जानकारी दी। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों से अभ्यास कराया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने आदेश कक्ष जाकर पुलिस कर्मियों का अर्दली रुम किया। इस मौके पर सीओ सिटी राजकमल, सीओ प्रशिक्षु फहद अली, प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, पीआरओ प्रदीप पाल आदि मौजूद रहे।

पुलिस लाइन का निरीक्षण करते एसपी।

पयों के विवाद बाद सब्जी व्यापारी ने लगाई फांसी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सब्जी मंडी में 45 वर्षीय चंदन चैहान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ये घटना गुरुवार रात दो बजे हुई। मृतक पुरानी बाजार का निवासी था। सब्जी का व्यापार करता था।शुक्रवार को मृतक के परिजनों ने बताया कि चंदन ने अतिकुल से 32 हजार रुपये उधार लिए थे। दोनों के बीच रुपयों को लेकर 18-19 तारीख को विवाद हुआ। तनाव के चलते चंदन ने आत्महत्या कर ली है। घटना की जानकारी पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा। कोतवाल उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

करंट लगने से युवक की मौत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। रैपुरा थाना क्षेत्र के कपुरी गांव में करंट लगने से युवक की मौत हो गई।

ये घटना गुरुवार की रात साढे आठ बजे हुई। बताया गया कि राकेश कुशवाहा (37) गाय खोलने गया था। घर के सामने लगे बिजली के खम्भे से सपोर्ट की तार लटक रही थी। राकेश जैसे ही गाय को खोलकर वापस लौटने लगा, उसका हाथ अचानक उस तार से टच हो गया। इससे राकेश गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों ने 108 एंबुलेंस बुलाकर सोनेपुर जिला अस्पताल ले गये। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा। इस मामले में थाना प्रभारी श्याम पटेल ने बताया कि युवक की मौत करंट लगने से हुई है। खंभे पर करंट उतर रहा था। घटना से इलाके में शोक की लहर है। परिजनों ने प्रशासन से बिजली के तारों की उचित व्यवस्था की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना से बचा जा सके।

एम्बुलेंस में शव को रखती पुलिस।

पेड़ से लटका मिला लल्ला धोबी का शव, इलाके में सनसनी

चित्रकूट। जिले के सेजवार गांव में दस्यु नवल धोबी के छोटे बेटे लल्ला धोबी का शव एक खेत में पेड़ से लटका मिला। घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मचा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।जिले के सेजवार गांव में गुरुवार सवेरे उस समय सनसनी फैल गई, जब नवल धोबी के बेटे लल्ला धोबी का शव एक पेड़ से लटका मिला। स्थानीय ग्रामीणों ने जब शव देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम को मर्चरी भेजा है। लल्ला की मौत को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।लल्ला धोबी कुख्यात डकैत नवल धोबी का छोटा बेटा था। इसकी मौत ने पूरे गांव को सकते में डाल दिया है। नवल धोबी वर्तमान में चित्रकूट जिला कारागार में बंद है। ग्रामीणों ने बताया कि लल्ला धोबी का किसी से कोई विवाद नहीं था। पुलिस ने कहा कि लल्ला धोबी की मौत संदिग्ध प्रतीत हो रही है। ये आत्महत्या है या हत्या, इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बाद ही होगा।

बारिश से गिरे कई कच्चे मकान, गृहस्थी का सामान मलबे में दबे

प्रशासन ने पीड़ितों को मदद का दिया भरोसा

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। मऊ थाने के मंडौर गांव के बबुरा में बारिश ने तबाही मचा दी है। तीन दिन पहले बारिश के चलते आधा दर्जन से अधिक कच्चे मकान गिरकर मिट्टी के ढेर में तब्दील हो गये है। घटना की जानकारी पर एसडीएम सौरभ यादव ने लेखपाल संगम को भेजकर पीड़ित परिवारों के क्षति का आंकलन करवाया।

शुक्रवार को रुकमणी के घर में रात में अचानक दीवार गिरने से तीन लोग दबने से बाल-बाल बचे। उनके बेटे सोनू के पैर में हल्की चोट आई, लेकिन गंभीर हादसा टल गया। इससे पहले बबुरा में ही कच्ची दीवार गिरने से दो बच्चों की मौत हो चुकी है। किरन पत्नी मुनीलाल के कच्चे मकान की दीवार भी बारिश के कारण गिर गई, इससे परिवार को क्षति हुई। लेखपाल संगम ने सभी पीड़ित परिवारों से मिलकर नुकसान का बारीकी से आंकलन किया।

मऊ के वार्ड- 14 एकलव्यनगर में करीना पत्नी सुरेश के घर की दीवार गिरने से गृहस्थी का सारा सामान मलबे में दब गया। पीड़ित परिवार ने अपनी जान बचाने में सफलता पाई। घटना स्थल का निरीक्षण बाद लेखपाल संगम ने पीड़ित परिवारों को सरकार से मुआवजा दिलवाने की मांग की है। पीड़ित परिवार सरकार की सहायता का इंतजार कर रहे हैं।

बारिश से ढहे घर का दृश्य।

अनाधिकृत निर्माणों को नोटिस जारीकर करें कार्यवाहीः डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण अध्यक्ष शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा बैठक कैम्प कार्यालय में की गयी।

शुक्रवार को जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही देवागंना नगर आवासीय कॉलनि की प्रगति पर चर्चा के दौरान निर्देश दिये कि सम्बन्धित कृषकों से अवशेष भूमि शीघ्र क्रय किये जाने की कार्यवाही की जाय। प्राधिकरण क्षेत्रानांर्गत बिना भवन मानचित्र स्वीकृत कराये किये जा रहे अनाधिकृत निर्माणों पर प्रभावी रोकथाम के लिए अवर अभियन्ता को निर्देशित किया। साथ ही यह भी निर्देश दिए कि प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत बिना ले आउट स्वीकृत कराये किये जा रहे प्लाटिंग पर तत्काल रोक लगायी जाय। ऐसे अनाधिकृत निर्माणों को नोटिस जारी कर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। प्राधिकरण को स्टाम्प शुल्क के रूप में प्राप्त होने वाली धनराशि को अवमुक्त किये जाने के लिए शासन स्तर से निरन्तर अनुश्रवण किया जाय। प्राधिकरण के सचिव राजेश प्रसाद ने बताया कि बिना भवन मानचित्र स्वीकृत कराये किये गये निम्न अनाधिकृत निर्माणकर्ताओं के निर्माण के ध्वस्तीकरण आदेश नियमानुसार वाद की सुनवायी के बाद जारी किये जा चुके हैं। सम्बन्धित अनाधिकृत निर्माणकर्ताओं की स्वयं हटा लेने की नोटिस जारी की गयी है। निर्धारित अवधि के बाद निर्माण न हटाए जाने पर प्राधिकरण इन अनाधिकृत निर्माण को स्वयं हटाने की कार्यवाही करेगा। साथ ही इस पर होने वाला व्यय सम्बन्धित अनाधिकृत निर्माणकर्ता से वसूला जायेगा।

विकास प्राधिकरण के सचिव राजेश प्रसाद ने अनाधिकृत निर्माणकर्ताओं के बारे में बताया कि सत्येन्द्र सिंह निवासी अमानपुर कर्वी, संजय सिंह निवासी मणिकुन्ज तरौंहा, हरिशंकर निवासी मतगंजन नगर कर्वी, लखनलाल निवासी देवांगना रोड कर्वी, चन्द्रप्रकाश निवासी पासी तिराहा कर्वी, रामप्रकाश निवासी नई बाजार कर्वी, भैरव निवासी साठे रोड द्वारिकापुरी कर्वी, इन्द्रजीत सिंह निवासी देवांगना रोड, सावित्री निवासी गढ़ीवा, धर्मराज सिंह निवासी बस अड्डे के पीछे, विद्या शरण निवासी कर्वी माफी देवांगना मार्ग, शिवकुमार निवासी रानीपुर भट्ट, कंचन यादव निवासी मतगंजन नगर कर्वी, दीना नाथ निवासी अहमदगंज, महेशचन्द्र निवासी शंकर बाजार, माया देवी निवासी रानीपुर भट्ट, रामविशाल सोनी निवासी राजापुर रोड, तुलसी देवी निवासी कर्वी, राकेश जायसवाल निवासी बेड़ी पुलिया, प्रकाशचन्द्र निवासी कसहाई रोड, रामलाल द्विवेदी निवासी भरतपुरी, गुलाब चन्द्र निवासी रानीपुर भट्ट, घनश्याम साहू निवासी बेड़ी पुलिया, सहनवाज निवासी द्वारिकापुरी, हनुमान शरण सोनी निवासी शास्त्रीनगर को अनाधिकृत निर्माण को स्वयं हटा लेने की नोटिस जारी की गयी है। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, सहायक अभियंता ज्ञानेन्द्र द्विवेदी, वरिष्ठ सहायक शैलेन्द्र सिंह, मानचित्रकार राकेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मोदी विश्व के सबसे ताकतवर-लोकप्रिय नेताः शक्ति

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। 17 सितंबर 1950 को गुजरात के वडनगर में जन्मे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन बड़ा ही संघर्ष में रहा। बचपन में अपने पिता की चाय की दुकान में उनकी मदद करना व बाद में स्वयं का स्टाल चलाने से लेकर आठ वर्ष की आयु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आ गये। नियमित शाखा में जाना, संघ के कार्य में रुचि लेने के कारण संघ में सबको प्रिय हो गये।

शुक्रवार को ये विचार भाजपा नेता शक्ति प्रताप सिंह तोमर ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को युग पुरुष की संज्ञा बतौर कही। बताया कि स्नातक की पढ़ाई बाद घर छोड़कर भारत की धार्मिक, पौराणिक व सांस्कृतिक स्थान पर पहुंचकर भारत को समझा। दो वर्षों बाद जब वह गुजरात लौटे तो वह अहमदाबाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्ण कालिक प्रचारक बतौर कार्य शुरू किया। 1975 में आपातकाल दौरान उन्हें योजनाबद्ध ढंग से कुछ दिनों को अज्ञातवास पर रखा। 1985 में भाजपा से जुड़कर विभिन्न दायित्व में संगठनात्मक कार्य में रुचि बढ़ाने से महत्वपूर्ण पदों पर निर्वहन किया। 2001 में गुजरात में भूकंप से भारी जन-धन की हानि हुई। तत्कालीन मुख्यमंत्री केशु भाई पटेल के स्वास्थ्य खराब होने से मोदी को सन 2001 में पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बतौर गुजरात की बागडोर सौंपी गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने शीघ्र ही विधाई विधानसभा से चुनाव भी जीता। 2002 में गोधरा कांड में उनके प्रशासन को कठोर माना गया। उनकी प्रशासनिक निंदा भी की गई। सर्वोच्च न्यायालय से गठित एसआईटी की जांच में निर्दोष साबित हुए। गुजरात में उनकी नीतियों व आर्थिक विकास में उनके कार्यों की जमकर सराहना हुई। गुजरात को विकास के पथ पर आगे लेकर मोदी जी चल पड़े। उनके अच्छे कार्यों के चलते गुजरात की जनता ने उन्हें चार बार मुख्यमंत्री बनाया।

नरेंद्र मोदी ने गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री प्राप्त की। मौजूदा समय में 2014 से लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री रहते हुए नरेंद्र मोदी विकास पुरुष के नाम से जाने जाते हैं। मोदी विश्व के सबसे ताकतवर और लोकप्रिय नेता हैं।

बारिश से तबाह घरः पात्र होने के बाद नहीं मिल रहा आवास

प्रधानमंत्री आवास को डीएम से मांग

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। केंद्र-प्रदेश सरकार गरीबों को ग्रामीण व शहरी प्रधानमंत्री आवास देने को योजना चला रही है। राजापुर कस्बे के वार्ड-15 तुलसीनगर की बेवा महिला कई वर्षों से योजना का लाभ पाने का इंतजार कर रही हैं। तीन दिन पहले बारिश से मकान धराशायी हो गया है। अब बेवा महिला के पास सिर छिपाने को कोई जगह नहीं है। इस बाबत सदर लेखपाल व एसडीएम राजापुर को सूचना के बाद भी कोई आर्थिक सहायता नही दी गई।

शुक्रवार को नगर पंचायत राजापुर के वार्ड-15 की बेवा गीता रैकवार पत्नी स्व राजेन्द्र रैकवार ने बताया कि कच्चा मकान तेज बारिश से गिर गया है। 2016 से प्रधानमंत्री आवास को कार्यालयों के चक्कर काट रही हूं। पात्र होने के बाद अभी तक आवास नहीं मिला है। 13 वर्ष पहले पति राजेन्द्र रैकवार की बीमारी से मृत्यु हो गई है। दो पुत्र रोशन व जित्तू हैं, जो मजदूरी करते हैं। पड़ोसी सुंता रैकवार ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास को कई विभागों के चक्कर लगा चुकी है। हमेशा निराशा व आश्वासन ही मिला है। तीन पुत्र सोनू, रवि, अतुल व दो पुत्री मोनी, सलोनी का भरण- पोषण करती हूँ। वार्ड मेम्बर शंकरदयाल जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास की पात्रता श्रेणी में परिवार आते हैं। सर्वे के बाद भी इन्हें कोई लाभ नहीं मिला है। डीएम ने प्रधानमंत्री आवास दिलाने की मांग की है।

बारिश से तबाह घर का दृश्य दिखाती बेवा।

तीन के कब्जे से दस लीटर महुआ व 15 क्वार्टर शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में पुलिस ने तीन लोगों के कब्जे से दस लीटर महुआ व 15 क्वार्टर देशी शराब बरामद की है।

शुक्रवार को सरधुवा थाने के दरोगा चन्द्रमणि पाण्डेय ने सिपाही राहुल पुरी के साथ कपेन्द्र कुमार द्विवेदी पुत्र रामकिशोर साडासानी कमासिन बांदा के केब्जे से 15 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया।

इसी क्रम में चैकी प्रभारी सरैंया श्याम देव सिंह ने सिपाही मनोज के साथ छोटा कोल पुत्र छक्कीलाल रुकमाखुर्द बहिलपुरवा के कब्जे से पांच लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया। सरैंया चैकी के दरोगा सौरभ गौतम ने सिपाही अनुज दुबे के साथ शिवफूल पुत्र फालुदा रुकमाखुर्द बेलौंहा पुरवा के कब्जे से पांच लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया। सभी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

वार्ड साफ नहीं रहेगा तो जिला प्रगति नहीं कर सकता: अध्यक्ष

एसडीएम ने व्यापारियों को स्वच्छता की दिलाई शपथ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के तहत नगर पालिका कर्वी में नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, उपजिलाधिकारी पूजा साहू व ईओ लालजी यादव ने व्यापारियों व नागरिकों की मौजूदगी में स्वच्छता ही सेवा संवाद कार्यक्रम किया।

शुक्रवार को एसडीएम पूजा साहू ने कहा कि कोई भी देश जो आगे बढ़े हैं, वहां स्वच्छता देखी जा सकती है। जब तक हमारा शहर, हमारा वार्ड साफ नहीं रहेगा, हमारा जिला प्रगति नहीं कर सकता। हमें अपने घर की भांति अपने मोहल्ले व शहर को साफ रखना होगा। अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने नगर में स्वच्छता को व्यापारियों से आवाहन किया कि पॉलिथीन का प्रयोग न करें। ईओ लालजी यादव ने कहा कि मंदिरों/घाटों व प्रत्येक वॉर्ड में चिन्हित ब्लैक स्पॉट की सफाई करायें। ईओ ने सभी वार्ड व नगरवासियों से स्वच्छता में सहयोग करने का आवाहन किया। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में एसडीएम पूजा साहू ने व्यापारियों के साथ स्वच्छता बाबत संवाद कार्यक्रम किया। व्यापारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस मौके पर व्यापार मंडल जिलाअध्यक्ष ओम केसरवानी, गुलाब गुप्ता, विनोद प्रिंस, ओम प्रकाश साहू, भानु गुप्ता, दिलीप केसरवानी, बाली जायसवाल, राजेश सोनी, राकेश केसरवानी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिवा कुमार, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला, कर निरीक्षक राहुल पांडेय, बड़े बाबू कर्मोत्तम सिंह, वार्ड मेम्बर शंकर यादव, शैलेंद्र सोनी, रवि, ज्ञानेंद्र, गौरव, शिवकुमार गुप्ता, सतीश, रोहित, अंकित जयसवाल, ज्ञान गुप्ता मौजूद रहे।

संवाद कार्यक्रम में मौजूद अधिकारीगण।

प्रधानमंत्री करेंगे चित्रकूट की विशेष नाव का अवलोकन, शिल्पकार करेंगे भेंट

चित्रकूट। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत महाराष्ट्र के वर्धा में 20 से 22 सितंबर तक लगने वाली प्रदर्शनी में देशभर से शिल्पकार अपने अद्वितीय कृतियों का प्रदर्शन करेंगे। मेले में जिले के शिल्पकार दीपक निषाद व विनोद निषाद की बनाई गई विशेष चित्रकूट निषाद राज की नाव प्रमुख आकर्षण का केंद्र होगी। दस फीट लंबी व चार फीट चैड़ी नाव को स्फूर्ति योजना के तहत कामदगिरि वुड क्राफ्ट सीएफसी क्लस्टर के शिल्पकारों ने सहयोगियों के साथ मिलकर तैयार किया है। इसमें चित्रकूट के पवित्र स्थलों व श्रीराम के प्रवास से जुड़े स्थलों को खूबसूरत चित्रों से उकेरा गया है। रामचरितमानस की चैपाइयां भी प्रदर्शित की गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रदर्शनी का दौरा कर शिल्पकारों से संवाद करेंगे। दीपक व विनोद निषाद ऐतिहासिक नाव को प्रधानमंत्री को भेंट करने को उत्साहित हैं। दोनों शिल्पकार पहली बार इतने बड़े राष्ट्रीय कार्यक्रम में अपनी कला का प्रदर्शन करने जा रहे हैं। ये उनके लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।प्रभारी आयुष ने बताया कि इस अनूठी कला को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभावित होंगे। प्रदर्शनी से शिल्पकारों को अपने काम को देशभर में प्रदर्शित करने का अद्भुत अवसर मिल रहा है। जो भारतीय संस्कृति व कारीगरी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पेजर ब्लास्ट सिर्फ हिजबुल्लाह लड़ाकों को मारने के लिए नहीं...

बेरूतः लेबनान में पेजर, वॉकी टॉरी और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में धमाकों ने देशभर में तबाही मचा दी है। इजरायल ने इन धमाकों पर चुप्पी साध रखी है लेकिन माना जा रहा है कि ये हिजबुल्लाह को निशाना बनाने के लिए किया गया उसका सीक्रेट ऑपरेशन था। एक्सपर्ट का कहना है कि कि इन विस्फोटों के जरिए इजरायल ने सिर्फ हिजबुल्लाह लड़ाकों को निशाना नहीं बनाया है, बल्कि दो दिनों तक हुए इन सिलसिलेवार विस्फोटों से एक बड़े सैन्य हमले के लिए अवसर बनाने समेत कम से कम पांच उद्देश्यों को पूरा किया है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, लेबनान में सिलसिलेवार विस्फोटों के पांच उद्देश्यों में सबसे पहला हिजबुल्लाह नेटवर्क की मैपिंग करना था। इजरायल का उद्देश्य सिर्फ लोगों को मारना होता तो उपकरणों को अधिक शक्तिशाली विस्फोटकों से पैक किया जा सकता था। इजरायल के पास लेबनान और

फिलिस्तीनी क्षेत्रों में अपनी जासूसी प्रणाली है लेकिन इन विस्फोटों से उसे हजारों हिजबुल्लाह लड़ाकों की पहचान करने और उनके स्थान का पता लगाने में मदद मिलेगी। हिजबुल्लाह के संचार नेटवर्क को पंगु करना हिजबुल्लाह मोबाइल की बजाय पेजर और वॉकी टॉकी पर विश्वास करता रहा है ताकि उसके लोगों को ट्रैक ना किया जा सके। पेजर और वॉकी-टॉकी दोनो में धमाके हुए हैं। हिजबुल्लाह लड़ाकों ने मोबाइल फोन पहले ही बंद कर दिए थे। ऐसे में फिलहाल वह मुश्किल में है। इजरायल का तीसरा उद्देश्य हिजबुल्लाह के लड़ाकों में अविश्वास पैदा करना था। उनके लिए अब किसी डिवाइस पर भरोसा मुश्किल है। बताया गया है कि 3,000 हिजबुल्लाह लड़ाके फिलहाल घरों को चले गए हैं।

अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों ने नाम ना छापने की शर्त पर एक्सियोस को बताया है कि हिजबुल्लाह के खिलाफ एक ऑल आउट हमले के शुरूआती कदम के रूप में पेजर्स में विस्फोट करने की योजना बनाई गई थी। ये इजरायल का चौथा उद्देश्य था क्योंकि संचार नेटवर्क बंद होने और हजारों हिजबुल्लाह लड़ाकों के मैदान से हट जाने के चलते लेबनान में हमले के लिए इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था।

हिजबुल्लाह के खिलाफ मनोवैज्ञानिक बढ़त

पेजर विस्फोटों से इजराइल को हिजबुल्लाह पर भारी मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल हुई है। ये इजरायल का पांचवा उद्देश्य था। वॉशिंगटन डीसी स्थित थिंक टैंक द फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज के सीईओ मार्क डुबोविट्ज के मुताबिक, इन धमाकों ने हिजबुल्लाह के बीच इजरायल का एक भय बन गया है ।

श्रीलंका राष्ट्रपति चुनाव में होगी 'लाल क्रांति'!

जानें कौन हैं मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके, भारत का करते हैं विरोध

कोलंबोः श्रीलंका में शनिवार (21 सितंबर) को राष्ट्रपति पद के लिए वोट डाले जाएंगे। इन चुनावों में पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे, एक और पूर्व राष्ट्रपति प्रेमदासा के पुत्र साजिद प्रेमदासा और मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे जैसे चेहरे किस्मत आजमा रहे हैं। पुराने राजनीतिक परिवारों के बीच चुनाव में एक और नाम जो बहुत तेजी से उभरा है, वह अनुरा कुमारा दिसानायके का है। जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) पार्टी के नेता दिसानायके नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन की ओर से राष्ट्रपति पद के कैंडिडेट हैं। मार्क्सवादी नेता दिसानायके को कई सर्वे राष्ट्रपति पद की दौड़ में सबसे आगे बता रहे हैं।

फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अनुरा दिसानायके को मिल रहे

भारी समर्थन की एक वजह उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि है। 55 वर्षीय अनुरा अनुराधापुरा जिले के थंबुट्टेगामा गांव में एक बहुत साधारण परिवार में पैदा हुए थे। उनके पिता एक दिहाड़ी मजदूर थे। गांव में ही शुरूआती पढ़ाई के बाद अनुरा ने केलानिया विश्वविद्यालय में एडमिशन लिया, जहां उन्होंने ग्रेजुएशन किया और यहीं से उनकी छात्र राजनीति की भी शुरूआत हुई।

दियानायके ने 80 के दशक में छात्र राजनीति शुरू की। कॉलेज में रहते हुए 1987 और 1989 के बीच सरकार विरोधी आंदोलन के दौरान वह जेवीपी में शामिल हो गए और आक्रामक युवा नेता के तौर पर अपनी पहचान बनाने लगे। इनकी पार्टी ने राष्ट्रपति जेआर जयवर्धने के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया ।

बांग्लादेश में अब आदिवासी सड़क पर उतरे, मोहम्मद यूनुस सरकार के सामने रखा आठ सूत्रीय मांगों का चार्टर

ढाकाः बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के खिलाफ भी लोद सड़कों पर उतरने लगे हैं। देश के आदिवासी समुदाय के लोगों ने बांग्लादेश में एक बड़ी विरोध रैली की है। प्रदर्शन को समुदाय के बड़े नेताओं- विकास त्रिपुरा, रिपुल चकमा और मंगसाई मार्मा ने लीड किया है। भेदभाव-विरोधी पहाड़ी छात्र आंदोलन ने आदिवासी छात्रों की ओर से अंतरिम सरकार के सामने आठ सूत्रीय मांगों का एक चार्टर रखा है। मोहम्मद यूनुस ने भारी प्रदर्शनों के बाद गिरी शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के बाद देश की कमान संभाली है। ऐसे में उनके सामने इस मुद्दे को ठीक से संभालने की चुनौती है।

मोहम्मद यूनुस सरकार के सामने रखी गई मांगों में- आदिवासियों के लिए पहली और दूसरी श्रेणी की सरकारी नौकरियों सहित सभी ग्रेड में 5 प्रतिशत आदिवासी कोटे की मांग अहम है। साथ ही आदिवासियों को संवैधानिक स्वायत्तता और एनसीटीबी पाठ्यपुस्तको।

रूस और बेलारूस से सीधे जुड़ेगा पाकिस्तान, पुतिन का महाकॉरिडोर प्लान

मास्कोः पाकिस्तान और रूस तथा बेलारूस के बीच रिश्ते और ज्यादा मजबूत होने जा रहे हैं। पाकिस्तान अब सीधे रूस और बेलारूस से सड़क मार्ग से जुड़ने जा रहा है। यह मल्टी मॉडल कॉरिडोर बेलारूस, रूस, कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, अफगानिस्तान से होते हुए पाकिस्तान तक पहुंचेगा। इससे रूस आगे चलकर पाकिस्तान के रास्ते सीधे हिंद महासागर के बंदरगाहों से जुड़ जाएगा। पाकिस्तान इस मल्टीमॉडल कॉरिडोर से जुड़ गया है। उज्बेकिस्तान के ट्रांसपोर्ट मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। उसने बताया कि इस समझौते के बाद व्यापार, आर्थिक रिश्ते मजबूत हो जाएंगे तथा सामान का इस इलाके में आना जाना आसान हो जाएगा। इस तरह से पाकिस्तान उस इंटरनेशन नार्थ साउथ ट्रांसपोर्ट गलियारे (क्टरळउ) से भी जुड़ जाएगा जो रूस को भारत से जोड़ने जा रहा है।

आईएनएसटीसी कुल 7200 किमी लंबा मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क होगा जो भारत को ईरान के रास्ते रूस से रेल, सड़क और जलमार्ग से जोड़ेगा। यह आर्मेनिया और कैस्पियन सागर से होकर जाएगा। वहीं पाकिस्तान को जोड़ने वाला कॉरिडोर रूस से होते हुए कैस्पियन सागर से कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान और फिर अफगानिस्तान के रास्ते पाकिस्तान तक पहुंचेगा। भारतीय कॉरिडोर के ऐलान से पाकिस्तान टेंशन में आ गया था लेकिन अब पाकिस्तान ने इस कॉरिडोर से जुड़ने का फैसला किया है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने खुद इसका पाकिस्तान को प्रस्ताव दिया था।

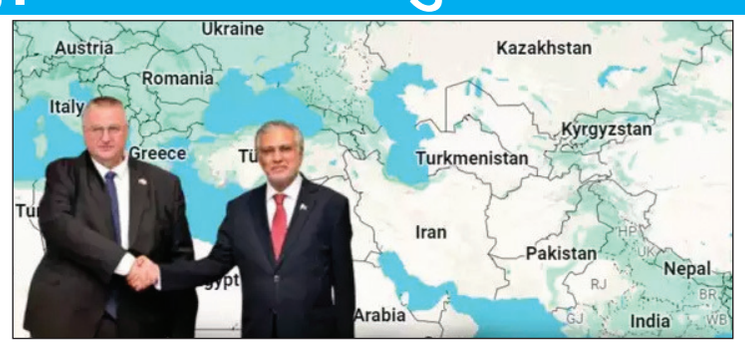

ईरान ने भी उसे ग्वादर बंदरगाह को चाबहार को जोड़ने का प्रस्ताव दिया है।

रूस और पाकिस्तान में दोस्ती, भारत के लिए टेंशन

अब उज्बेकिसतान के रास्ते बनने वाले कॉरिडोर से भी पाकिस्तान जुड़ जाएगा। बेलारूस को जोड़ने वाले इस कॉरिडोर को बनाने की योजना अगस्त 2022 में बनाई गई थी। रूस और बेलारूस ने इस कॉरिडोर को बनाने में खास इच्छा जताई थी। नवंबर 2023 में रूस, कजाखस्तान और उज्बेकिस्तान ने एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया था। इसके बाद इसे बनाने का काम शुरू हुआ। इसके वर्किंग ग्रुप की पहली बैठक तेरमेज में अप्रैल 2024 में हुई थी। इसमें पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों ने ही ऐलान किया था कि वे इस कॉरिडोर में शामिल होंगे।

इस वर्किंग ग्रुप की बैठक में कार्गो ट्रांसपोर्टेशन के विकास के लिए खास योजनाओं का रोडमैप बनाया गया। उज्बेकिस्तान ने कहा कि पाकिस्तान के इस विशाल कॉरिडोर प्रॉजेक्ट में शामिल होने के बाद क्षेत्रीय व्यापार बढ़ेगा। साथ ही इससे अंतरराष्ट्रीय कार्गो ट्रांसपोर्टेशन की प्रक्रिया में तेजी आएगी। इससे यूरेसिया के देश आपस में ज्यादा अच्छे से जुड़ जाएंगे। पाकिस्तान जहां अगर रूस से जुड़कर भारत की टेंशन बढ़ा सकता है।

ईशनिंद के मामले में पाकिस्तान में दूसरी ईसाई महिला को मौत की सजा

इस्लामाबादः पाकिस्तान की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को ईशनिंदा के मामले में एक ईसाई महिला को मृत्युदंड दिया। सितंबर 2020 में व्हाट्सऐप ग्रुप पर पैगंबर मोहम्मद के बारे में आपत्तिजनक सामग्री साझा करने की आरोपी शौगता कैरन के खिलाफ ईशनिंदा का एक मामला दर्ज किया गया था। यहां की एक विशेष अदालत के न्यायाधीश अफजल मजूका ने सुनवाई के बाद कैरन को पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295 सी के तहत दोषी पाया, जिसमें मृत्युदंड का प्रावधान है।

अदालत ने कैरन पर 3,00,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। इसके अलावा अदालत ने पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक क्राइम अधिनियम (पीईसीए) की धारा 11 के तहत महिला को सात साल जेल की सजा सुनाई और 1,00,000 रुपये का जुमार्ना लगाया। न्यायाधीश ने एक संक्षिप्त आदेश में कहा कि दोषी को 30 दिन के भीतर फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दायर करने का अधिकार है। न्यायाधीश मजूका ने कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले के बाद ही सजा की तामील की जाएगी।

मृत्युदंड पाने वाली दूसरी ईराई महिला

कैरन पैगंबर मोहम्मद और इस्लाम धर्म के अपमान के मामले में मृत्युदंड पाने वाली दूसरी ईसाई महिला हैं। इससे पहले आसिया बीबी को ईशनिंदा के मामले में मौत की सजा सुनाई गई थी और वह आठ साल जेल में बंद रहीं। लेकिन उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश आसिफ सईद खोसा की अध्यक्षता वाली पीठ ने उन्हें अक्टूबर 2018 में बरी कर दिया था। बरी होने के बाद बीबी अपने परिवार के साथ कनाडा चली गईं। पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव रोकना चाहता है... बीजेपी सांसद बृजलाल सिंह का चौंकाने वाला बयान देखिए

ईशनिंदा का आरोपी मारा गया

पाकिस्तान में पुलिस ने ईशनिंदा के एक संदिग्ध को मार गिराया है। यह एक सप्ताह में इस तरह की दूसरी हत्या है। पुलिस ने मरने वाले व्यक्ति की पहचान दक्षिणी सिंध प्रांत के उमरकोट के डॉक्टर शहनवाज के रूप में की है।

पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने और सोशल मीडिया पर ईशनिंदा से जुड़ी सामग्री शेयर करने के आरोप के बाद यह छिप गया था। स्थानीय पुलिस प्रमुख, नियाज खोसो का कहना है कि संयोग से हत्या हो गई।

म्यांमार में फूड प्वाइजनिंग के बाद 133 लोग अस्पताल में भर्ती

यांगून। म्यांमार के बागो क्षेत्र के ओकट्विन कस्बे के कुल 133 लोगों को फूड प्वाइजनिंग के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम ने दी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह घटना बुधवार को उस समय हुई जब स्थानीय निवासियों ने सुबह दान में मिले खाने को खाया।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट में कहा गया

कि स्थानीय समयानुसार रात

करीब 8 बजे मरीजों में पेट दर्द, उल्टी और दस्त जैसे लक्षण दिखाई दिए।

मरीजों को ताउंगू जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां 68 को बाह्य रोगी के रूप में और 65 को आंतरिक रोगी के रूप में भर्ती कराया गया।

युद्धपोत, पनडुब्बी, 40000 सैनिक... इजरायल की रक्षा के लिए अमेरिका की तीनों सेनाएं मौजूद

वॉशिंगटनः अमेरिका ने लगभग एक साल से मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाई हुई है। लगभग 40 हजार सैनिक, कम से कम एक दर्जन युद्धपोत, चार वायुसेना लड़ाकू जेट स्क्वाड्रन अमेरिका ने तैनात किए हुए हैं। ऐसा इसलिए ताकि अमेरिका अपने सहयोगियों के खिलाफ होने वाले हमलों को रोक सके। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव ने फिर चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस कारण संघर्ष एक पूर्ण युद्ध में बदल सकता है। इजरायल का हमास के खिलाफ हमला भी लगभग एक साल से चल रहा है। हिजबुल्लाह ने पेजर हमले के बाद कहा है कि इजरायल ने सारी हदें पार कर दी हैं। पहले से ही मिडिल ईस्ट में बड़ी संख्या में अमेरिकी सेना है। नवीनतम हमलों ने सेना में वृद्धि या बदलाव का संकेत नहीं दिया है। आम तौर पर लगभग 34000 अमेरिकी सेनाएं यूएस सेंट्रल कमांड में तैनात की जाती हैं, जो पूरे मिडिल ईस्ट को कवर करता है। इजरायल-हमास युद्ध के शुरूआती महीनों में अतिरिक्त जहाजों और विमानों को भेजे जाने के कारण सैनिकों की संख्या लगभग 40000 पहुंच गई। कुछ सप्ताह पहले यह संख्या 50 हजार तक भी चली गई थी।

अमेरिका की कितनी नेवी तैनात

मिडिल ईस्ट में अमेरिका की नेवी भी तैनात है। अमेरिका ने विमानवाहक पोत की तैनाती बढ़ाई है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन पिछले वर्ष में कई बार एयर क्राफ्ट कैरियर की तैनाती बढ़ा चुके हैं। कई मौकों पर तो इजरायल की सुरक्षा के लिए एक साथ दो एयरक्राफ्ट कैरियर देखे गए।

ईराकः आईएस ठिकाने पर एयर स्ट्राइक, 6 आतंकियों की मौत

बगदाद। इराकी सेना ने गुरुवार को इस्लामिक स्टेट के 6 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया। उसने कहा कि उत्तरी प्रांत किरकुक में मारे गए इन आतंकियों में एक ग्रुप का सीनियर लीडर था।

इराकी ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड से जुड़े मीडिया आउटलेट सिक्योरिटी मीडिया सेल के एक बयान में कहा गया कि खुफिया रिपोर्टों और दो महीने की निगरानी के आधार पर आईएस ठिकाने को निशाना बनाया गया। इराकी एफ-16 जेट लड़ाकू विमानों की ओर से किए गए तीन हवाई हमलों में आतंकवादी मारे गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया कि हवाई हमले के बाद सुरक्षा बलों ने आईएस ठिकाने पर छापा मारा और उन्हें छह शव मिले। इनमें से एक शव

ओमर सलाह नेमा का था, जिसे अबू खत्ताब नाम से भी जाना जाता था। माना जाता है कि ओमर आईएस का सीनियर मेंबर था।

इसमें कहा गया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की विस्फोटक बेल्ट, हथियार और फोन भी जब्त कर लिए हैं।

इससे पहले रविवार को आईएस के तीन आतंकी मारे गए थे। इराकी सुरक्षाबलों ने बगदाद से लगभग 250 किलोमीटर उत्तर में किरकुक के एक मोहल्ले में मोटरसाइकिल पर विस्फोटक बेल्ट पहने दो आईएस आतंकवादियों को घेर लिया। सुरक्षा बलों ने दोनों आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया।

पुलिस के मुताबिक बाद में सुरक्षाबलों ने उसी इलाके में विस्फोटक बेल्ट पहने एक तीसरे आईएस आतंकवादी को भी मार गिराया।

2017 में आईएस की हार के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है।

हालांकि, आईएस के आतंकी शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में घुस गए हैं। वे सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ लगातार हमले कर रहे हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

लेबनान ने फ्लाइट्स में पेजर, वॉकी टॉकी पर लगाया बैन, कतर एयरवेज ने भी लागू किया निर्देश

दोहा। लेबनान ने बेरूत एयर पोर्ट से उड़ान भरने वाली फ्लाइट्स में वॉकी-टॉकी और पेजर ले जाने पर बैन लगा दिया है।

यह कदम लेबनान में लगातार दो दिनों तक देश भर में पेजर और वॉकी-टॉकी में हुए विस्फोटों के बाद उठाया गया। इन धमाकों की वजह से कई लोगों की मौत हो गई जबकि हजारों की संख्या में लोग घायल हुए।

लेबनान के इस फैसले के बाद कतर एयरवेज ने भी बेरूत-राफिक हरीरी इंटरनेशनल एयर पोर्ट से यात्रा करने वाले पैसेंजर्स के लिए फ्लाइट में पेजर और वॉकी-टॉकी लाने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

लेबनान ने बेरूत एयर पोर्ट से उड़ान भरने वाली फ्लाइट्स में वॉकी-टॉकी और पेजर ले जाने पर बैन लगा दिया है

एयरलाइन ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ये नियम अगले आदेश तक लागू रहेंगे।

कतर एयरवेज ने एक्स पर लिखा, "तत्काल प्रभाव सेः लेबनान गणराज्य के

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से प्राप्त निर्देश के बाद, बेरूत-राफिक हरीरी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (बीईवाई) से उड़ान भरने वाले सभी यात्रियों के लिए विमान में पेजर और वॉकी-टॉकी ले जाने पर रोक रहेगी।"

कतर एयरवेज ने कहा कि यह बैन चेक किए गए कैरी-ऑन लगेज और कार्गो दोनों पर लागू होगा।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री फिरास अबियाद ने गुरुवार को बताया कि मंगलवार और बुधवार को कई पेजर और हैंडहेल्ड रेडियो में हुए धमाकों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हो गई, जबकि 2,931 लोग घायल हुए।

हालिया विस्फोटों ने इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच 11 महीने से चल रहे संघर्ष को एक खतरनाक मोड़ पर ला दिया है। दोनों पक्ष एक दूसरे पर बड़े हमले कर रहे हैं। इनमें इजरायली एयर स्ट्राइक और उत्तरी इजरायल पर हिजबुल्लाह के अटैक शामिल हैं।

लेबनानी विदेश मंत्रालय ने विस्फोटों को 'खतरनाक और जानबूझकर की गई इजरायली कार्रवाई' बताया।

लेबनान के आंतरिक सुरक्षा बलों ने कहा कि देश के कई हिस्सों में वायरलेस संचार उपकरणों में विस्फोट हुए लेकिन विशेष रूप से बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में धमाके हुए। बता दें यह इलाका हिजबुल्लाह का गढ़ है।

तीन सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि जिन पेजरों में विस्फोट हुआ, वे हिजबुल्लाह ने हाल के महीनों में ही मंगाए थे।

हिजबुल्लाह ने इन विस्फोटों के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं इजरायल ने धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली है।